दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः 28 | ग्वालियर, 5 दिसम्बर, मंगलवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

रेवंत रेड्डी होंगे तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम पर अभी फैसला नहीं

तेलंगाना में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम तय कर लिए हैं. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी राज्य के अगले मुख्यमंत्री होगे. सूत्रों ने ये जानकारी दी है. तेलंगाना की कुल 119 सीटों में 64 सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है. बीआरएस ने 39 और बीजेपी ने आठ सीटों पर जीत दर्ज की है.यहां सरकार बनाने के लिए किसी भी एक पार्टी को 60 सीटों की जरूरत होती है. कांग्रेस को 39.40 फीसदी, बीआरएस को 37.35 फीसदी और बीजेपी को 13.90 फीसदी वोट मिले हैं.

रेवंत रेड्डी ने कोडंगल विधानसभा क्षेत्र से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पी नरेंद्र रेड्डी को 32000 से अधिक मतों के अंतर से हराया है. विधानसभा चुनाव रिजल्ट के बाद से ही रेवंत सीएम के रेस में सबसे आगे चल रहे हैं.

विधायक दल की बैठक-विधानसभा चुनाव रिजल्ट के बाद कांग्रेस नेताओं ने रविवार (3 दिसंबर) शाम को राज्यपाल से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया. इसके बाद सोमवार (4 दिसंबर) को कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई. इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता नियुक्त करने के लिए अधिकृत किया गया. कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बताया कि यह अधिकार पत्र खरगे को भेजा जाएगा और विधायकों ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के फैसले को स्वीकार करने का निर्णय लिया है. उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने इस संबंध में एक प्रस्ताव पेश किया और मल्लू भट्टी विक्रमार्क और डी. श्रीधर बाबू समेत वरिष्ठ विधायकों ने इसका समर्थन किया.

बीआरएस का 10 सालों का शासन खत्म-तेलंगाना में 10 सालों से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार थी. हार के बाद बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया. राज्यपाल ने इसे स्वीकार कर नई सरकार के गठन तक पद पर बने रहने के लिए कहा है.

विधानसभा चुनाव नतीजों का यूपी की सियासत पर होगा क्या असर, कैसा है इंडिया का भविष्य?

सपा नेता का कांग्रेस पर हमला-कांग्रेस की हार के बाद अब सपा नेता और आक्रामक हो गए हैं और कह रहे हैं कि यूपी में कांग्रेस केवल दो सीटों वाली पार्टी है. सपा प्रवक्ता फकरुल हसन चांद ने यूपी तक से कहा कि हमारा लक्ष्य बीजेपी को हटाना था, लेकिन इन चुनावों में हमें लगा कि कांग्रेस का मकसद क्षेत्रीय दलों का खत्म करने का था. इंडिया गठबंधन बनाते वक्त ये बात हुई थी विधानसभा चुनाव में मिलकर चुनाव लड़ेंगे, लेकिन चुनाव में पता चला कि ये गठबंधन तो केवल लोकसभा के लिए है. इसके अलावा कमलनाथ का अखिलेश यादव को लेकर दिया गया बयान आपत्तिजनक था. इस बात को लेकर सपा के कार्यकर्ताओं में गुस्सा था.

कांग्रेस की यूपी में हैसियत दो सीट की-उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में यूपी में कांग्रेस को दो सीट से ज्यादा नहीं देनी चाहिए. कांग्रेस को सीट देना बीजेपी की मदद करना होगा और सपा ऐसा काम नहीं करेगी. कांग्रेस हिंदी बेल्ट में कहीं नहीं है. न ही ये हिंदी बेल्ट की कोई पार्टी है. कांग्रेस की गुटबाजी भी हार का कारण है. कांग्रेस को अहंकार ले डूबा है. क्षेत्रीय दल मेहनत कर रहे हैं और कांग्रेस उनकी मेहनत पर पानी फेरने का काम कर रही है. कांग्रेस अब केवल साउथ की पार्टी रह गई है. एमपी में हमारी जो हैसियत थी हम उसके हिसाब से सीट मांग रहे थे जो उन्होंने हमें नहीं दी, अब कांग्रेस की यूपी में जो हैसियत है उसी के अनुसार सीट दी जाएगी.

मतभेद भुलाकर इंडिया गठबंधन को मजबूत करना होगा-वहीं आरएलडी नेता अनिल दुबे ने कहा कि रालोद को कांग्रेस ने केवल एक सीट दी और हमने वहां जीत हासिल की. हालांकि हम ज्यादा सीटें मिलने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन हमें एक ही सीट दी गई थी. अब रणनीति बनाई जानी चाहिए और जो दल जहां पर प्रभावशाली, मजबूत हैं उन्हें वहां तवज्जो दी जाए. हमें बीजेपी से लड़ना है,

लोकतंत्र की खूबसूरत तस्वीर! नकुलनाथ के साथ शिवराज सिंह चौहान के घर पहुंचे कमलनाथ

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव संपन्न हो गया है और चुनावी नतीजे भी आ गए हैं. भारतीय जनता पार्टी ने भारी बहुमत से चुनाव जीत लिया है और कांग्रेस पार्टी ने भी जनता के जनादेश को स्वीकार कर लिया है. लोकतांत्रिक पर्व के समापन पर ये प्रक्रिया भारत के लोकतंत्र को और भी खूबसूरत बनाती है. इस तस्वीर को और भी सुंदर बनाने का काम किया पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता कमलनाथ ने. चुनावी नतीजे स्पष्ट होने के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस पार्टी

के नेता कमलनाथ अपने सांसद बेटे नकुलनाथ के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर पहुंचे. बीजेपी के कद्दावर नेता और सूबे के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर जाकर कमलनाथ ने उन्हें प्रचंड जीत की बधाई दी. कमलनाथ खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर पहुंचे और उन्हें गुलदस्ता भेंट करते हुए जीत की बधाई दी. कमलनाथ से जीत की बधाई लेने के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उनके बेटे नकुलनाथ का हाथ पकड़कर उन्हें अपने घर के अंदर ले जाने लगे. लोकतांत्रिक पर्व के समापन पर घटी इस घटना की सोशल मीडिया पर लोग जमकर सराहना कर रहे हैं.

प्रचंड जीत से बीजेपी में जश्न

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सीएम शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में बीजेपी ने बंपर जीत दर्ज की है. इस बार प्रदेश में 2533 प्रत्याशी चुनावी रण में अपनी सियासी तकदीर आजमा रहे थे. बीजेपी ने रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज करते हुए 154 सीटों पर जीत कामयाबी का झंडा फहराया, जबकि 9 सीटों पर आगे है. प्रदेश में मुख्य विपक्षी कांग्रेस महज 59 सीटों पर जीत दर्ज कर पाई है

ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़कर आने वाले विधायकों का क्या हुआ?

मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड लहर के बावजूद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक चार मंत्री सहित सात विधायक अपनी सीट बचाने में नाकामयाब हुए. सिंधिया समर्थक मंत्री सुरेश धाक? की पोहरी विधानसभा सीट पर हार 49 हजार से भी ज्यादा वोटों से हुई है. वहीं 6 उम्मीदवार जीतकर फिर से विधानसभा में पहुंचे हैं. यहां बताते चलें कि साल 2020 में 19 विधायकों के साथ बगावत करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीजेपी का दामन थाम लिया था.इन 19 विधायकों में से 13 को सिंधिया ने इस बार के विधानसभा चुनाव (विधानसभा निर्वाचन 2023) में फिर से टिकट दिलवाई थी. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विधानसभा चुनाव के दौरान 70 सभाएं और रोड शो भी किए. इस दौरान समर्थक मंत्रियों और विधायकों के निर्वाचन क्षेत्र में भी सिंधिया की सभाएं हुई, लेकिन चुनाव परिणाम सिंधिया समर्थक नेताओं के लिए निराशाजनक रहे. 13 में से 7 विधायक चुनाव हार गए हैं.चुनावी नतीजे बताते हैं कि सिंधिया समर्थक मंत्रियों में महेंद्र सिसोदिया, सुरेश धाकड़, राजवर्धन सिंह दत्तीगांव और रामखेलावन पटेल को हार का सामना करना पड़ा है. हारने वाले सात विधायकों में पोहरी से सुरेश धाकड़, बमोरी से महेंद्र सिसोदिया, मुरैना से रघुराज कंसाना, अंबाह से कमलेश जाटव, डबरा से इमरती देवी, अशोक नगर से जजपाल सिंह जज्जी और बदनावर से राजवर्धन दत्तीगांव शामिल हैं. इमरती देवी तो साल 2020 का उपचुनाव भी हार गई थीं. इसके बावजूद बीजेपी ने उन्हें इसबार फिर से टिकट दिया था.

सिंधिया के इन समर्थकों को नहीं मिला था टिकट-वहीं जीतने वालों में सिंधिया समर्थक मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर, बृजेंद्र यादव, गोविंद सिंह राजपूत, डॉ. प्रभुराम चौधरी, मनोज चौधरी और तुसली सिलावट शामिल हैं.

कांग्रेस हारी लेकिन कमलनाथ का किला नहीं भेद पाई बीजेपी

मध्य प्रदेश में भले ही कांग्रेस पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है लेकिन कांग्रेस ने एक बार फिर छिंदवाड़ा विधानसभा में बीजेपी का कमल नहीं खिलने दिया है. मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ के गढ़ में कांग्रेस ने बीजेपी को करारी शिकस्त दी है. यहां के सभी सातों सीटों पर कांग्रेस ने बाजी मारी है और बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है. जिसमें छिंदवाड़ा विधानसभा सीट भी शामिल है, जहां से खुद प्रदेश से पूर्व सीएम कमलनाथ चुनाव लड़ रहे थे. उन्होंने छिंदवाड़ा विधानसभा सीट पर लगभग 35 हजार वोटों से जीत हासिल की है.

कमलनाथ के गढ़ में बीजेपी की करारी हार-बता दें कि आज यानी रविवार (3 दिसंबर) को पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के बाद आज मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना के विधानसभा चुनाव की मतगणना की गई. वहीं सुबह से शुरू हुई मतगणना के दौरान मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में बेहतर प्रदर्शन कर रही बीजेपी अब तीन राज्यों में भारी मतों से जीत हासिल कर चुकी है. इन सभी तीन राज्यों में बीजेपी के सिर जीत का सेहरा सज चुका है. तो वहीं छिंदवाड़ा विधानसभा सीट, अमरवाड़ा, परासिया, जुन्नारदेव, सौसर, पांढुर्णा और चौरई सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत का झंडा फहराया है.

कमलनाथ ने फिर मारी बाजी-छिंदवाड़ा कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ का गढ़ माना जाता है. छिंदवाड़ा में हर बार बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा है. चाहे वो लेकसभा हो या विधानसभा. 2018 विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी यहां एक भी सीट नहीं जीत पाई थी. बीजेपी ने कमलनाथ को उनके ही गढ़ में घेरने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी. छिंदवाड़ा विधानसभा में बीजेपी के कई दिग्गज नेताओं ने प्रचार प्रसार किया था लेकिन उसके बावजूद भी बीजेपी को कमलनाथ के गढ़ में मुह की खानी पड़ी. बता दें कि विधानसभा में कमलनाथ दूसरी बार छिंदवाड़ा विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में थे, जिसमें कमलनाथ ने बीजेपी के प्रत्याशी विवेक बंटी साहू को लगभग 35 हजार वोटों से हरा दिया. कमलनाथ छिंदवाड़ा सीट से पहली बार तब चुनाव लड़े थे जब वह प्रदेश के सीएम बने थे. उस वक्त छिंदवाड़ा सीट पर हुए उपचुनाव में कमलनाथ ने जीत दर्ज की थी. इस तरह एक बार भी कमलनाथ ने अपने गढ़ में बीजेपी का कमल नहीं खिलने दिया.

एमपी में करारी हार पर पहली बार बोले अखिलेश यादव, कांग्रेस पर साधी चुप्पी, बसपा के साथ गठबंधन पर किया बड़ा दावा

मध्य प्रदेश और राजस्थान में समाजवादी पार्टी की करारी हार पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहली प्रतिक्रिया दी है. वाराणसी में एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे अखिलेश यादव ने कहा कि चुनावी परिणाम को लेकर हम निराश नहीं है, सबको साथ लेकर और एक नई उम्मीद के साथ 2024 की लड़ाई लड़ेंगे. हालांकि इस दौरान अखिलेश यादव कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों की हार पर चुप्पी साधते नजर आए.इसके अलावा अखिलेश ने वाराणसी से पल्लवी पटेल के चुनाव लड़ने पर कहा कि वाराणसी से समाजवादी पार्टी व

अन्य गठबंधन दलों के चुनाव लड़ने पर कोई निर्णय नहीं. चुनाव के परिणामों के बाद पर फिर उठ रहे सवाल को लेकर अखिलेश ने कहा कि अमेरिका और जापान से सीखना चाहिए.बसपा के **साथ होगा गठबंधन**-सपा प्रमुख ने आगामी चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन के सवाल पर चुप्पी साध ली. इसके साथ ही अखिलेश यादव ने बेरोजगारी को लेकर बड़ा बयान दिया. अखिलेश यादव ने बेरोजगारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी को घेरा. उन्होंने कहा- हर घर बेरोजगार मांगे रोजगार. सपा नेता ने वाराणसी के नमामि गंगे और अन्य परियोजनाओं को लेकर भी सवाल उठाए.

मध्य प्रदेश में हो सकते हैं दो डिप्टी सीएम, एक आदिवासी और एक OBC चेहरा

मध्य प्रदेश में यूपी की तर्ज पर दो डिप्टी सीएम हो सकते हैं, सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी. सूत्रों के मुताबिक, इसमें एक आदिवासी और एक ओबीसी चेहरा हो सकता है. मध्य प्रदेश में एक लीडरशिप तैयार करने की बीजेपी की रणनीति है. जातियों के समीकरण को बीजेपी साधने की कोशिश में है. सूत्रों के मुताबिक, एक ब्राह्मण चेहरे को सीएम बनाने की तैयारी है लेकिन अभी फाइनल नहीं है.मध्य

प्रदेश में बीजेपी ने 163 सीटें जीतकर बंपर जीत हासिल की है. जबकि कांग्रेस सिर्फ 69 सीटों पर ही सिमट गई. वहीं अब जल्द ही प्रदेश में नई सरकार का गठन होगा. इससे पहले प्रदेश में मुख्यमंत्री पद को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं. इसके अलावा खबर ये भी आ रही है कि मध्य प्रदेश में बीजेपी उत्तर प्रदेश की तर्ज पर दो डिप्टी सीएम बना सकती है. माना जा रहा है कि बीजेपी जातिगत समीकरण साधने के लिए ब्राह्मण चेहरे को मुख्यमंत्री जबकि एक ओबीसी और एक आदिवासी चेहरे को उपमुख्यमंत्री बना सकती है.

.नरेंद्र सिंह तोमर और प्रहलाद सिंह पटेल चुनाव जीते, सामने आया पहला रिएक्शन

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के बाद आज यानी रविवार (3 दिसंबर) को मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के चुनावी नतीजे सामने आ गये हैं. बीजेपी तीन राज्यों में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जीत दर्ज कर चुकी है. बीजेपी कार्यकर्ताओं में जीत की खुशी का लहर है. देशभर के बीजेपी कार्यकर्ता जीत के जश्न में डूबे हुए हैं. पूरे देश में बीजेपी कार्यकर्ता एक दूसरे के मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दे रहे हैं. बीजेपी को मिली बंपर बढ़त पर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का भी रिएक्शन आ गया है. उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह जीत पीएम मोदी के लोकप्रियता की है. मध्य प्रदेश में बीजेपी की शानदार जीत पर केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने अपना रिएक्शन देते हुआ कहा, ÷छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में मिली जीत के लिए मैं जनता का आभार व्यक्त करता हूं.

शिवराज सिंह चौहान, ये डबल इंजन की सरकार की जीत, मिलकर लड़ा चुनाव

मध्य प्रदेश में मिली भारी जीत के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान काफी गदगद हैं. वहीं इस जीत का श्रेय उन्होंने डबल इंजन की सरकार को दिया है. साथ ही सीएम शिवराज ने मध्य प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया है. इसका अलावा उनका मानना है कि लाडली बहना योजना इस चुनाव में काफी असरदार रही. इसके अलावा उन्होंने कमलनाथ पर भी निशाना साधा. आइए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा. शिवराज सिंह चौहान ने कहा, ÷ये डबल इंजन की जीत है. सरकार के विकास की नीति जीत है. लाडली बहना योजना की जीत है, जनता के अटल विश्वास की जीत है. किसानों, नौजवानों, माताओं-बहनों, भांजा-भांजियों की जीत है.÷

डबल इंजन की सरकार का चमत्कार-उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी के कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार जताता हूं उन्होंने अथक प्रयास किया. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ने चमत्कार किया है, पीएम मोदी को प्रणाम करता हूं. अमित शाह और जेपी नड्डा का आभार व्यक्त करता हूं. हमारे सारे नेताओं ने मिलकर चुनाव लड़ा.

पूरा एमपी हमारा परिवार-कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा, ÷कमलनाथ को जनता ने मौका क्यों नहीं दिया.

पति की जीत में निभाई अहम भूमिका, शिवराज समेत इन दिग्गज नेताओं की पत्नियों ने जमकर किया था प्रचार

मध्यप्रदेश का सबसे हाईप्रोफाइल जिला सीहोर की चारों ही विधानसभा सीटों पर बीजेपी का कब्जा हो गया है. सीहोर जिला हाईप्रोफाइल इसलिए क्योंकि यह सीएम शिवराज सिंह चौहान का गृह जिला है. जिले की चारों ही विधानसभा सीटों पर बीजेपी प्रत्याशियों की जीत में उनकी पत्नियां भी असली शिल्पकार साबित हुई हैं. बुधनी विधानसभा सीट पर प्रचार के लिए सीएम शिवराज सिंह चौहान एक दिन भी नहीं पहुंचे, जबकि उनकी पत्नी साधना सिंह चौहान ने यहां प्रचार का जिम्मा संभाला. इसी तरह सीहोर विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी रहे सुदेश राय की पत्नी अरुणा राय प्रचार प्रसार के दौरान विधानसभा क्षेत्र के एक-एक गांव पहुंची और पति सुदेश राय के लिए वोट की अपील की.दरअसल बुधनी विधानसभा सीट से प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान बीजेपी प्रत्याशी थे. सीएम शिवराज सिंह चौहान ने बुधनी विधानसभा सीट से पांचवीं बार जीत दर्ज की है. जबकि एक बार पहले भी वे सीएम रहने के पहले बुधनी विधानसभा सीट से जीत दर्ज कर चुके हैं. इस तरह सीएम शिवराज सिंह चौहान बुधनी विधानसभा सीट से 6 बार विधायक चुने गए. इधर सीहोर विधानसभा सीट की बात करें तो सुदेश राय ने जीत की हैट्रिक लगाई है. 2013 के चुनाव में सुदेश राय निर्दलीय प्रत्याशी के रूप

में चुनाव जीते थे, जबकि 2018 और 2023 का चुनाव वे बीजेपी से जीते हैं. दोनों ही प्रत्याशियों के परिजनों ने भी प्रचार प्रसार के दौरान बहुत मेहनत की थी. **किसने संभाला बुधनी-सीहोर में प्रचार का जिम्मा**-सीएम शिवराज सिंह चौहान वादे के अनुसार नामांकन जमा करने के बाद प्रचार प्रसार के लिए बुधनी विधानसभा नहीं पहुंचे, जबकि उन्होंने पूरे प्रदेश भर में 165 सभाएं की. बुधनी में उनके प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी उनकी पत्नी साधना सिंह चौहान और पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान सहित कार्यकर्ताओं ने संभाली. इसी तरह सीहोर विधानसभा में विधायक सुदेश राय के प्रचार प्रसार के लिए पत्नी अरुणा राय और भाई समाजसेवी अखिलेश राय ने जी तोड़ मेहनत की. अखिलेश राय ने जहां सीहोर शहर में प्रचार का जिम्मा संभाला तो वहीं अरुणा राय ने इस दौरान विधानसभा के एक-एक गांव पहुंचकर पति सुदेश राय के लिए प्रचार प्रसार कर वोट की अपील की. बुधनी विधानसभा के मतों की गणना भी सीहोर जिला मुख्यालय पर महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में ही हुई. बुदनी से सीएम शिवराज सिंह चौहान ने बड़ी जीत दर्ज की. उनकी जीत का प्रमाण पत्र पत्नी साधना सिंह चौहान, पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान और बीजेपी जिलाध्यक्ष रवि मालवीय के तरफ से लिया गया.

थाना भगवानपुरा खरगोन पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ (गांजा) की तस्करी करने वाले के विरुद्ध की गई कार्यवाही

खरगोन जिले मुन्ना खान
पुष्पांजलि टुडे

01 आरोपी गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 8 किलो गांजा जप्त

जप्तशुदा गांजे की कुल किमती लगभग 80,000 /-रुपये जप्त

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थ तस्करी करने वालों के विरुध्द लगातार कार्यवाही की जा रही है । खरगोन पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ विक्रेता पर लगातार निगाह रखते हेतु वरिष्ट अधिकारियों द्वारा इसकी रोकथाम विशेष अभियान चलाने के संबंध मे निर्देशित किया गया है । उक्त अभियान के चलते अवैध मादक पदार्थ, अवैध शराब एवं अवैध गतिविधियों आदि पर जिला खरगोन मे पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही कर अंकुश लगाया जा रहा है ।इसी तारतम्य में अवैध मादक पदार्थ के विक्रय की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मवीरसिंह यादव के निर्देशन में जिले पर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है । उक्त निर्देशों के पालन मे थाना भगवानपुरा की अवैध मादक पदार्थ विक्रेता के विरुद्ध कार्यवाही की गई है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण-दिनांक 03/12/2023 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की, ग्राम आड़फाटा मेन रोड़ पर 01 दाढी वाला व्यक्ति जो काली जिंस भुरे रंग की प्रिंटेड शर्ट सफेद सुज पहने काले रंग के एक बैग के अन्दर गांजा भरकर कही ले जाने के लिये खडा है । मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए अनुविभागीय अधीकारी श्री राकेश आर्य के निर्देशन मे पुलिस टीम का गठन कर मुखबिर के बताए स्थान ग्राम आड़फाटा मेन रोड़ पर रवाना किया गया । पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर पहुँच कर देखा तो मुखबिर के बताए

अनुसार हुलिये का व्यक्ति खडा दिखाई दिया जो पुलिस को देखकर भागने लगा । पुलिस टीम के द्वारा भागने वाले व्यक्ति को घेराबंदी कर पक?ा । पकड़ मे आए व्यक्ति से उसका नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम अजय निवासी बैरुंडा थाना सपोटरा जिला करौली, राजस्थान का होना बताया । अजय के पास मिले बैग की तलाशी लेने पर उसके बैग से गांजा मिला । पुलिस टीम के द्वारा आरोपी अजय के कब्जे से कुल 8 किलो गांजा कुल किमती 80,000 /-रुपये का को विधिवत जप्त किया गया ।

आरोपी का नाम

1.आरोपी अजय पिता रामभरोसी सिंह जाति राजपुत उम्र 25 साल निवासी बैरुंडा थाना सपोटरा जिला करौली, राजस्थान

जप्तशुदा मश्रुका का विवरण

1.कुल 08 किलो गांजा कुल किमती लगभग 80000 /-रुपये

गिरफ्तारशुदा आरोपी का आपराधिक रिकार्ड

1.आरोपी अजय पिता रामभरोसी सिंह जाति राजपुत उम्र 25 साल निवासी बैरुंडा थाना सपोटरा जिला करौली, राजस्थान

क्र	जिला/थाना	अपराध क्रमांक	धारा
1	थाना मोहना मण्डी जिला जयपुर	436/17	25 आर्म्स एक्ट
2	थाना सांगनेर जिला जयपुर	704/17	379,384 भादवि
3	थाना शिप्रापथ जिला जयपुर	28/18	365 भादवि
4	थाना शिप्रापथ जिला जयपुर	724/19	392,34 भादवि
5	थाना मुहाना मण्डी जिला जयपुर	645/18	392,323,341 भादवि

पुलिस टीम-उक्त की गई कार्यवाही मे अनुविभागिय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग भीकनगाँव श्री राकेश आर्य एवं थाना प्रभारी भगवानपुरा निरीक्षक गौरीशंकर पाराशर के मार्गदर्शन मे उनि शंकरसिंह मुझाल्दा, सउनि.मुकेश कुमरावत, प्रआर.695 जालमसिंह, प्रआर.814 भगवान, आर.459 कृष्ण ठाकुर, आर.900 बिरश सापलिया, आर.502 रितेश चौहान का विशेष योगदान रहा

मतगणना के साथ ही चुनावी प्रक्रिया के शांतिपूर्ण और निर्विघ्न सम्पन्न होने पर कलेक्टर ने जताया आभार

खरगोन जिले मुन्ना खान
पुष्पांजलि टुडे

खरगोन जिले में मतगणना के साथ ही विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया के शांतिपूर्ण और निर्विघ्न सम्पन्न होने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एवं श्री कर्मवीर शर्मा ने जिले के सभी नागरिकों का आभार जताया है। श्री शर्मा ने राजनैतिक दलों, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों, चुनावी ड्यूटी में संलग्न शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों से मिले सहयोग की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी के सहयोग एवं समर्पण की भावना के साथ किये गये कार्य का परिणाम है कि जिला प्रशासन लोकतंत्र के इस महायज्ञ को बिना किसी कठिनाई के पूरा करा सका। उन्होंने समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की सराहना करते हुए कहा कि चुनावी कार्यक्रम, चुनावी व्यवस्थाओं एवं चुनाव संबंधी सूचनाओं एवं जानकारियों को आम जनता तथा मतदाताओं तक पहुंचाने में पत्रकारों की भूमिका रही है। श्री शर्मा ने चुनावी प्रक्रिया के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने में तैनात पुलिस अधिकारियों, पुलिस कर्मियों एवं सुरक्षा बलों की सक्रिय भूमिका की भी सराहना की।

सीलिंग के बाद ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट वेयर हाउस में सुरक्षित रखी गयी

खरगोन जिले मुन्ना खान
पुष्पांजलि टुडे

विधानसभा चुनाव-2023 की मतगणना के उपरांत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सीलिंग कर कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित वेयरहाउस में सुरक्षा में रखा गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने 03 दिसंबर को देर रात्री में और आज 04 दिसंबर को सुबह 6.30 बजे वेयरहाउस पहुंचकर ईवीएम एवं व्हीव्हीपेट के सुरक्षित रखरखाव को देखा और विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफिसर्स को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

सगोडिया प्राथमिक विद्यालय में तालुका स्तरीय विश्व विकलांग दिवस मनाया गया

ब्यूरो रीपोर्ट दैनिक पुष्पांजली टुडे
पाटन/गुजरात।

आज बीआरसी सरस्वती एवं समग्र शिक्षा पाटण द्वारा सागोडिया प्राथमिक विद्यालय में तालुका स्तरीय विश्व विकलांग दिवस मनाया गया जिसमें कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों को पौधे देकर एवं वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। फिर दिव्यांग बच्चों के लिए वन मिनट गेम शो, संगीत कुर्सी, नींबू चमच, चित्र प्रतियोगिता आदि विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें सरस्वती तालुका के कुल 70 बच्चे एवं 70 दिव्यांग बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे। साथ ही जिला आईईडी श्री मधुबेन जादव, बीआरसी प्रज्ञेशभाई व्यास, सीआरसी जिग्नेशभाई, अष्टावक्र ट्रस्टी श्री कनुभाई विशेष रूप से उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम को आईईडी टीम द्वारा सफल बनाया गया.

विधानसभा निर्वाचन 2023: चित्रकूट के परिणाम घोषित

बीजेपी के अभ्यर्थी सुरेंद्र सिंह गहरवार 6670

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित विधानसभा निर्वाचन 2023 के कार्यक्रम के अनुसार रविवार को विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 61 चित्रकूट के मतों की गणना का कार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में सम्पन्न हुआ। मतगणना के पश्चात रिटर्निंग आफीसर चित्रकूट ने भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी सुरेंद्र सिंह गहरवार को 6670 मतों से विजयी होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया। मतगणना स्थल पर संबंधित चित्रकूट विधानसभा के रिटर्निंग आफीसर द्वारा की गई घोषणा के अनुसार विधानसभा क्षेत्र चित्रकूट के निर्वाचन में भारतीय जनता पार्टी के सुरेंद्र सिंह गहरवार को 58009 मत मिले तथा उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी इंडियन नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार नीलांशु चतुर्वेदी को 51339 मत प्राप्त हुए। जबकि बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी सुभाष शर्मा को 31797, विंध्य जनता पार्टी के अशोक कुमार को 812, बहुजन द्रविड़ पार्टी के कोदूलाल भारती को 585, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया के भैयामन प्रजापति को 225, सत्यनिष्ठ जनसेवक पार्टी के योगेश गौतम को 317, ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लाक के राजाराम सिंह को 406, जन अधिकारी पार्टी की सरिता कुशवाहा को 617, समाजवादी पार्टी के संजय सिंह 6347 को तथा न्यायधर्म सभा के प्रत्याशी संजीव शिकदार को 223 मत मिले। इसी प्रकार निर्दलीय प्रत्याशी अवध बिहारी को 352, कृष्ण किशोर को 362, बाबूलाल चौधरी को 1063, राजकुमार यादव को 688 एवं रामलाल कोरी को 1330 मत प्राप्त हुए। उपरोक्त में से कोई नहीं के विकल्प (नोटा) की संख्या 1154 मतों की रही। उपरोक्त में से कोई नहीं के विकल्प (नोटा) की संख्या 1154 मतों की रही। वैध मतों की संख्या कुल 1 लाख 54 हजार 477 रही।

जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा आभार व्यक्त

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना /जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने विधानसभा निर्वाचन 2023 मे सम्पन्न हुये मतदान एवं मतगणना को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से कराने के लिये दिये गये सहयोग के प्रति सतना और मैहर जिले के नागरिको, राजनैतिक दलो तथा चुनाव कार्य मे कर्मचारियो के प्रति

संलग्न अधिकारियो- आभार प्रकट किया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा तथा पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता द्वारा की गई तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के फलस्वरूप विधानसभा आम निर्वाचन 2023 में मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त तत्वाधान में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गया है।

विधानसभा क्षेत्र 36-चंद्रपुर के अंतिम 19वे चक्र के उपरांत मतगणना के परिणाम

सक्ती/ रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 36 चंद्रपुर सुश्री दिव्या अग्रवाल से प्राप्त जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 36-चंद्रपुर से श्री रामकुमार यादव को 85525 मत प्राप्त हुए। वहीं क्रमशः श्रीमती संयोगिता युद्धबीर सिंह जूदेव को 69549, श्री लालसाय खूंटे को 16898, श्री गणेश राम चालाक को 680, श्री सौरालाल भगत को 654, श्री हिन्देश कुमार यादव को 647, श्री अजीत कुमार को 599, श्री कन्हैया लाल साहू को 499, श्री हीरासिंह कुर्रे को 350 मत प्राप्त हुए। साथ ही इनमें से कोई नहीं (नोटा) के 1028 वोट पड़े। इस तरह श्री रामकुमार यादव 15976 मतों से विजयी हुए।

विधानसभा निर्वाचन 2023: रामपुर बघेलान के परिणाम घोषित

भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी विक्रम सिंह 22 हजार 581 मतों से विजयी

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित विधानसभा निर्वाचन 2023 के कार्यक्रम के अनुसार रविवार को विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 67 रामपुर बघेलान के मतों की गणना का कार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में सम्पन्न हुआ। मतगणना के पश्चात रिटर्निंग आफीसर रामपुर बघेलान आरएन खरे ने भारतीय जनता पार्टी के अभ्यर्थी विक्रम सिंह को 22 हजार 581 मतों से विजयी होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया। मतगणना स्थल पर संबंधित रामपुर बघेलान विधानसभा के रिटर्निंग आफीसर द्वारा की गई घोषणा के अनुसार विधानसभा क्षेत्र रामपुर बघेलान के निर्वाचन में

भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार विक्रम सिंह को 85287 मत मिले तथा उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी इंडियन नेशनल कांग्रेस के रामशंकर पयासी को 62706 मत प्राप्त हुए। जबकि बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी मणिराज सिंह को 38113, आम आदमी पार्टी की शशी सिंह को 1660, बहुजन द्रविड़ पार्टी के अनूप प्रजापति को 511, जन अधिकारी पार्टी के अशोक बौद्ध को 180, समाजवादी पार्टी के प्रमोद शुक्ला को 199, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया के राजकुमार सिंह को 229, भारतीय जनमोर्चा पार्टी के डॉ राजेंद्र त्रिपाठी को 195, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के लवकुश सिंह को 234 मत मिले। जबकि निर्दलीय प्रत्याशियों में अंबिका कोल को 319, अमित साकेत को 398, ओमकारेश्वरी तिवारी को 436, कविश्री सिंह को 960, बृजेंद्र पांडेय को 591, मोसिम खान को 957 तथा रामकृष्ण कोल को 1111 मत प्राप्त हुये।उपरोक्त में से कोई नहीं के विकल्प (नोटा) की संख्या 1265 मतों की रही। जबकि डाक मतपत्रों में से 208 मतपत्र प्रतिक्षेपित किए गए। वैध मतों की संख्या कुल 194086 रही।

शांति की शुरुआत हर एक मनुष्य से होती है : प्रेम रावत

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

नई दिल्ली । विश्व प्रसिद्ध शिक्षक, बेस्टसेलर लेखक और मानवतावादी प्रेम रावत ने राज विद्या केंद्र, छत्तरपुर में आयोजित एक विशाल कार्यक्रम में एक लाख से अधिक लोगों को शांति का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के स्थानीय निवासियों के अलावा हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब आदि कई निकटवर्ती राज्यों से लोग आये हुए थे और स्थानीय मीडिया, छात्रगण और जीवन के सभी क्षेत्रों से संबंधित गणमान्य व्यक्तियों के अलावा विदेशों से आए अतिथि भी शामिल हुए। शांति सभी मनुष्यों की मूलभूत आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान, प्रेम ने खुद को जानने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वो यहां जटिल चीजों को सरल बनाने के लिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में सभी चीजों की दो अलग-अलग प्रकृति होती है। एक वह जो आपको अपने करीब लाती है और दूसरी वह जो आपको खुद से दूर ले जाती है और फिर उन्होंने दर्शकों के सामने एक सवाल रखा. ÷आपके जीवन में किन चीजों की संख्या अधिक है, वो जो आपको खुद के करीब लाती हैं, या वो जो आपको खुद से दूर ले जाती हैं। प्रेम ने एक कहानी के माध्यम से इस बात पर जोर दिया कि हमें जीवन में उन चीजों को महत्व देना चाहिए जो हमें खुद के करीब लाने में मदद करती हैं। तभी हमारे जीवन में शांति और आनंद आएगा। प्रेम के अनुसार, शांति एक ऐसी चीज़ है जिसका अनुभव प्रत्येक मनुष्य को अपने हृदय में करना चाहिए। यदि लोग शांति का सम्मान करना शुरू कर दें, तो शांति अवश्य होगी। जिस शांति की हम तलाश कर रहे हैं वह हमारे भीतर है और हम उसे वहीं पा सकते हैं। इस गूढ़ किन्तु सरल संदेश को उपस्थित श्रोताओं ने मंत्रमुग्ध होकर सुना। लाखों लोगों द्वारा ध्यानपूर्वक शांति के संदेश को सुनना और शांति की यात्रा में एक कदम और आगे बढ़ाते देखना, निश्चित रूप से एक शानदार दृश्य था। 2 अप्रैल, 2023 को, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में प्रेम रावत ने किसी एक लेखक द्वारा पुस्तक पढ़ने के कार्यक्रम में भाग लेने वाले अब तक के सबसे बड़े दर्शकों का विश्व रिकॉर्ड बनाया। उस कार्यक्रम में. 1,14,704 लोगों ने उनकी न्यूयॉर्क टाइम्स की सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तक, हियर योरसेल्फ हाउ टू फाइंड पीस इन ए नॉइजी वर्ल्ड% का हिंदी संस्करण स्वयं की आवाज को उनके द्वारा पढ़ते हुए सुना । दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान, प्रेम रावत को हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर्स, इंडिया के संपादक सचिन शर्मा द्वारा सराहना प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। यह उस शानदार उपलब्धि हियर - योरसेल्फ एवं स्वयं की आवाज के सम्मान में दिया गया, जिसने एक साल से भी कम समय में अकेले भारत में 1,25,000 से अधिक की बिक्री का आंकड़ा छू लिया। 26 नवंबर, 2023 को बोधगया, बिहार में, प्रेम रावत ने ÷जीवन के मूल्य को समझें अपने आपको जानें शीर्षक से एक कार्यक्रम को सम्बोधित किया जिसमें

3,75,603 दर्शकों ने भाग लिया, जिसने ÷एक अकेले वक्ता को सुनने आए सबसे बड़ी उपस्थित÷ का नया गिनीज़ विश्व रिकार्ड बनाया। इस प्रकार प्रेम रावत ने एक साल के अंदर दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए । प्रेम रावत एक विश्व प्रसिद्ध शिक्षक, बेस्टसेलिंग लेखक, मानवतावादी और हाल ही में वे दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित हुए हैं। वे दुनिया भर के अपने श्रोताओं को वास्तव में अपने आपसे जुड़ने और संतुष्टि का जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं। एक प्रतिभाशाली बालक और 70 के दशक के किशोर से लेकर विश्व शांति दूत बनने तक प्रेम रावत ने अपनी पुस्तकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, वेब साइट सामग्री, मीडिया साक्षात्कार, लाइव कार्यक्रमों और संबोधनों के माध्यम से लाखों लोगों को असाधारण स्पष्टता, प्रेरणा और जीवन की गहरी सीख दी है।

विधानसभा निर्वाचन 2023: अमरपाटन के परिणाम घोषित

इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी डॉ राजेंद्र कुमार सिंह 6 हजार 490 मतों से विजयी

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित विधानसभा निर्वाचन 2023 के कार्यक्रम के अनुसार रविवार को विधानसभा क्षेत्र ऋमांक 66 अमरपाटन के मतों की गणना का कार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट ऋमांक-1 सतना में सम्पन्न हुआ। मतगणना के पश्चात रिटर्निंग आफीसर अमरपाटन आरती यादव ने इंडियन नेशनल कांग्रेस के डॉ राजेंद्र सिंह को 6 हजार 490 मतों से विजयी होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया। मतगणना स्थल पर संबंधित अमरपाटन विधानसभा के रिटर्निंग आफीसर द्वारा की गई घोषणा के अनुसार विधानसभा क्षेत्र अमरपाटन के निर्वाचन में इंडियन नेशनल कांग्रेस के डॉ राजेंद्र सिंह को 80949 मत मिले तथा उनके

निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार रामखेलावन पटेल को 74459 मत प्राप्त हुए। जबकि बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी छोगेलाल कोल को 21317, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया के अखिलेश प्रजापति को 994, जन अधिकार पार्टी के अजय कुशवाहा को 208, भारतीय जनमोर्चा पार्टी के अमित तिवारी को 165, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के आशीष कुशवाहा को 200, समाजवादी पार्टी के बालकृष्ण यादव को 289, अखिल भारतीय अपना दल के रामेश्वर पटेल को 132 एवं विंध्य जनता पार्टी की शशि शर्मा को 305 मत प्राप्त हुये। जबकि निर्दलीय प्रत्याशियों में गौरीशंकर तिवारी को 290, बाबा छोटेलाल नट को 207, मो. नसीम को 338, नीलम पांडेय को 1321, रामसुफल केवट को 1065, वीरेंद्र पटेल को 998 तथा सूरज इज गॉड को 525 मत प्राप्त हुये। उपरोक्त में से कोई नहीं के विकल्प (नोटा) की संख्या 1379 मतों की रही। जबकि डाक मतपत्रों में से 96 मतपत्र प्रतिक्षेपित किए गए। वैध मतों की संख्या कुल 183762 रही।

विधानसभा निर्वाचन 2023: रैगांव के परिणाम घोषित

बीजेपी की अभ्यर्थी प्रतिमा बागरी 36 हजार 70 मतों से विजयी

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित विधानसभा निर्वाचन 2023 के कार्यक्रम के अनुसार रविवार को विधानसभा क्षेत्र ऋमांक 62 रैगांव के मतों की गणना का कार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट ऋमांक-1 सतना में सम्पन्न हुआ। मतगणना के पश्चात रिटर्निंग आफीसर रैगांव एसके गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी की अभ्यर्थी प्रतिमा बागरी को 36 हजार 70 मतों से विजयी होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया। मतगणना स्थल पर संबंधित रैगांव विधानसभा के रिटर्निंग आफीसर द्वारा की गई घोषणा के अनुसार विधानसभा क्षेत्र रैगांव के निर्वाचन में भारतीय जनता पार्टी की प्रतिमा बागरी को 77626 मत मिले तथा उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी इंडियन

नेशनल कांग्रेस की कल्पना वर्मा को 41566 मत प्राप्त हुए। जबकि बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी देवराज अहिरवार को 27743, आम आदमी पार्टी के वरुण गूजर को 1938, समाजवादी पार्टी के इंदल प्रसाद को 510, इंडियन पीपल्स अधिकार पार्टी के गोपी चर्मकार को 144, जन अधिकार पार्टी के बच्चा सिसोदिया को 186, भारतीय जनमोर्चा पार्टी के बलराम चौधरी को 177, बहुजन द्रविड़ पार्टी के डॉ राजेंद्र सिंह को 946, विंध्य जनता पार्टी की रानी बागरी को 2240, पीपुल पार्टी ऑफ इंडिया की प्रत्याशी संजू कोरी 425 को मत प्राप्त हुये। जबकि निर्दलीय प्रत्याशियों में आरती वर्मा को 488, केशकली डोहर को 421, धीरेंद्र सिंह धीरु को 920 तथा शिवनारायण दाहिया को 755 मत मिले। वैध मतों की संख्या कुल 156085 तथा नोटा की संख्या 991 रही। कुल 41 वोट प्रतिक्षेपित किये गये।

मतदाता शिक्षा और जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान को नेशनल मीडिया अवार्ड-2023 मिलेगा

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिये सर्वोत्तम अभियान चलाने वाले मीडिया संस्थानों को भारत निर्वाचन आयोग नेशनल मीडिया अवार्ड-2023 चार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान करेगा। आयोग ने 10 दिसम्बर 2023 तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड-2023 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को यह पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जायेंगे।प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन) मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो) मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट)/सोशल मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। वर्ष 2023 में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न चार श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे। प्रस्ताव ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों ही प्रकार से भेजे जा सकते हैं। सभी नामांकनों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित जूरी द्वारा विचार कर निर्णय लिये जायेंगे। नेशनल मीडिया अवार्ड-2023 से संबंधित विस्तृत विवरण (मेमोरेण्डम) कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की वेबसाइट 222 और जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट 222.पर उपलब्ध है। प्रस्ताव श्री राजेश कुमार सिंह, अवर सचिव (संचार), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली 110001 पर भेजे जा सकते हैं। संस्थान अपने प्रस्ताव मेमोरेण्डम में लिखी शर्तों का पालन करते हुए ई-मेल एड्रेस पर भी भेज सकते हैं।

विधानसभा निर्वाचन 2023: सतना के परिणाम घोषित

कांग्रेस के अभ्यर्थी सिद्धार्थ कुशवाहा 4 हजार 41 मतों से विजयी

राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित विधानसभा निर्वाचन 2023 के कार्यक्रम के अनुसार रविवार को विधानसभा क्षेत्र ऋमांक 63 सतना के मतों की गणना का कार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट ऋमांक-1 सतना में सम्पन्न हुआ। मतगणना के पश्चात रिटर्निंग आफीसर सतना नीरज खरे ने इंडियन नेशनल कांग्रेस के अभ्यर्थी सिद्धार्थ कुशवाहा को 4 हजार 41 मतों से विजयी होने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया। मतगणना स्थल पर संबंधित सतना विधानसभा के रिटर्निंग आफीसर द्वारा की गई घोषणा के अनुसार विधानसभा क्षेत्र सतना के निर्वाचन में इंडियन नेशनल कांग्रेस के उम्मीदवार सिद्धार्थ कुशवाहा को 70638 मत मिले तथा उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के गणेश सिंह को 66597 मत प्राप्त हुए। जबकि बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रवाकर चतुर्वेदी को 33567, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया की चंदा कुशवाहा को 327, भारतीय जनमोर्चा पार्टी के जितेंद्र राय को 180, जनता कांग्रेस की मुन्नी खान को 92, समाजवादी पार्टी के मोईन खान को 177, आपका गणतंत्र पार्टी के रामकुशल केवट को 270, न्यायधर्मसभा की रंजना मिश्रा को 261, विंध्य जनता पार्टी के हरिओम

गुप्ता को 1644 तथा सपाक्स पार्टी के हरिशंकर तिवारी को 244 मत मिले। जबकि निर्दलीय प्रत्याशियों में अजय दाहिया को 153, अनूप पांडे को 158, मो. अमीन को 260, अरुण मिश्रा को 393, अहमद खान को 641, गोपाल चौधरी को 522, जावेद खान को 353, त्रिभुवन पांडेय को 221, दीपशिखा सिंह को 59, नसरीन खान को 44, मनोज श्रीवास्तव को 54, राज मोहम्मद को 63, राजीव कुमार को 129, राममूर्ति पांडेय को 83, शिवचरण को 72, सुशील कुमार को 103 तथा डॉ संतोष शर्मा को 134 मत मिले। उपरोक्त में से कोई नहीं के विकल्प (नोटा) की संख्या 888 मतों की रही। जबकि डाक मतपत्रों में से 67 मतपत्र प्रतिक्षेपित किए गए। वैध मतों की संख्या कुल 177439 रही।

जेसीआई शिवपुरी डायनेमिक द्वारा वर्ष 2024 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-जेसीआई शिवपुरी डायनेमिक की अध्यक्ष जेसी अनु मित्तल फाउंडर प्रेसिडेंट जेसी डॉ सुषमा पांडे आईपीपी जेसी किरण उप्पल द्वारा वर्ष 2024 के लिए अध्यक्ष के रूप में जेसी कविता अरोरा, सचिव जेसी शिल्पा दुबे, एवं कोषाध्यक्ष जेसी पिंकी गोस्वामी को चुना गया। जेसीआई शिवपुरी डायनेमिक के अध्यक्ष अनु मित्तल द्वारा वर्षभर कई सारे सरहनीय सामाजिक कार्य किए गए। इस श्रृंखला को जारी रखते हुए वर्ष 2024 की नई कार्यकारिणी का गठन किया जाना था जिसके लिए शिवपुरी डायनेमिक की फाउंडर प्रेसिडेंट जेसी डॉ सुषमा पांडे आईपीपी जेसी किरण उप्पल के मार्गदर्शन एवं सुझाव के अनुसार अध्यक्ष अनु मित्तल ने नई

कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें सभी पोर्टफोलियो के डायरेक्टर एवं वाइस प्रेसिडेंट का चुनाव किया गया। जिसके चलते, मैनेजमेंट के लिए जेसी ज्योति त्रिवेदी एवं साधना शर्मा, प्रोग्राम के लिए जेसी वीना गोलिया एवं जेसी मोनिका तोमर, पी आर मार्केटिंग के लिए जेसी मीना दुबे एवं शैलजा शर्मा, ग्रोथ एंड डेवलपमेंट के लिए सोनलता गॉड एवं नीलू शुक्ला, ट्रेनिंग के लिए वर्षा जैन एवं आशना हरियाणी, और बिजनेस के लिए सीमा वर्मा एवं मंजू शाक्य को चुना गया। साथ ही अन्य कार्यकारिणी भी बनाई गई। जिसके लिए प्रयास प्रोग्राम में जेसी मोनिका सचदेवा, जेजे विंग चेयरपर्सन के लिए जेसी कंचन बुगड़ा, नीड ब्लड कॉल के लिए जेसी अंकिता वैश्य, एवं मीडिया इंचार्ज के रूप में जेसी कविता धाकड़ को चुना गया। इस तरह से वर्ष 2024 के लिए एक नई टीम बनाई गई। अध्यक्ष अनु मित्तल एवं सभी सीनियर्स एवं पदाधिकारीयों द्वारा नई टीम का फूल मालाओं द्वारा सम्मान किया गया।

जल्द ही भारत वामपंथी उग्रवाद से मुक्त हो जाएगा-अमित शाह

हजारीबाग। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को झारखंड के हजारीबाग में सीमा सुरक्षा बल के 59वें स्थापना दिवस परेड समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर शाह ने स्पष्ट किया कि, अब जल्द ही भारत वामपंथी उग्रवाद से पूर्णत- मुक्त हो जाएगा। पूरा देश जानता है कि दशकों से भारत के विकास में वामपंथी उग्रवाद एक बाधा बन कर ख?ा रहा है, लेकिन आजाद भारत के किसी भी सरकार ने इस समस्या का समाधान नहीं निकाला। आपने कहा कि, वामपंथी उग्रवाद का दंश झेल रहा क्षेत्र और भी पिछ?ता चला गया।साल 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वामपंथी उग्रवाद से निपटने की दिशा में ?ोर-शोर से प्रयास किया जाने लगा। साल 2019 में जब अमित शाह ने केंद्रीय गृह मंत्री का पदभार संभाला, उसके बाद शाह के मार्गदर्शन में वामपंथी उग्रवाद पर नकेल कसने में रिकॉर्ड उपलब्धि हासिल हुई है। मोदी जी की दूरदर्शिता और शाह की सटीक रणनीतियों से साल 2022 और 2023 में वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ बड़ी सफलताएँ प्राप्त हुई हैं। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के नए शिविर की स्थापना और उनकी तैनाती शाह की योजनाओं की प्राथमिकता है। 199 नए कैंपों की स्थापना और गश्त ब?ने से वामपंथी उग्रवादियों के सभी प्रकार के संसाधनों में कमी आई है। पिछले 9 सालों में मोदी सरकार के प्रयासों की वजह से हिंसा की घटनाओं में 52 फीसदी की कमी और मृत्यु की घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। प्रभावित जिले 96 से घटकर 45 रह गए हैं और पुलिस स्टेशन 495 से घटकर 176 रह गए हैं।शाह के कुशल मार्गदर्शन में इतिहास में पहली बार इन जंगलों से घिरे गाँवों में मतदान केंद्र बने और लोगों ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दुर्गम इलाकों में रिकॉर्ड तोड़ मतदान हुए, जो क्षेत्र को नक्सलवाद से मुक्त करने और विकास की मुख्यधारा से जो?ने की दिशा में शाह के अकूत प्रयासों को दर्शाता है। दशकों से नक्सलवाद और %लाल% आतंक का ग? रहे झारखंड का बू?ा पहा? और खरबंदा जैसे दुर्गम क्षेत्र अब नक्सलियों के कब्जे से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं। जिस बू?ा पहा? पर नक्सलवादी जन अदालत लगाकर क्षेत्र के निवासियों पर अपना फरमान जारी करते थे, उस बूड़ा पहाड़ पर अब स्कूल खुल चुका है। सिमटते हुए वामपंथी उग्रवाद पर अंतिम प्रहार करने के लिए सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी तीनों तैयार है

वर्तमान वर्षा में कृषकों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र,ने दिए कृषि परामर्श

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- कृषि विज्ञान केन्द्र, शिवपुरी द्वारा शिवपुरी जिले में विगत दिनों हुई वर्षा की स्थिति को देखते हुए रबी फसलों के लिए आवश्यक कृषि तकनीकी एवं समसामयिक कृषि परामर्श कृषकों के लिए दिए गए। विगत 3-4 दिसम्बर को जिले की विभिन्न तहसीलों में 3.5 मिमी. से 6.7 मिमी. तक हुई वर्षा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कृषक बंधुओं को आवश्यक एडवाइजरी जारी की गई है।जिसके तहत फसल के खेतों में जल का ठहराव/भराव न होने दें तथा कटाव कर अतिरिक्त जल निकासी करें। अधिक वर्षा की स्थिति में खेत से पानी की निकासी की व्यवस्था सुचारू करें। दलहनी फसलों चना, मटर, मसूर एवं धनिया इत्यादि की फसलों में अधिक समय तक जल का ठहराव न होने दें। गेहूं की फसल में सिंचाई न करें। वर्तमान वर्षा से फसल को दो सिंचाई के बराबर लाभ की स्थिति होगी। जहां गेहूं की बुबाई किए 25-30 दिन हो गए हैं वहां वर्षा ठहरते ही शेष नत्रजन की मात्रा यूरिया की टॉप ड्रेसिंग या जल विलय रूप में भुरकाव या छि?काव कर पूर्ति करें। रबी की देर से बोई जाने वाली फसल जो धान के बाद खेत खाली हुए हैं वहां 20-25 प्रतिशत बीज दर ब?ाते हुए गेहूं की बुबाई का कार्य बतर आने पर पूर्ण करें। रबी में देर से बोई जाने वाली अन्य फसलों के अलावा रबी प्याज के लिए भी इस वर्षा नमी का लाभ लें तथा बतर आने पर मुख्य खेत की तैयारी कर प्याज की पौध का रोपण के लिए खेत तैयार करें। प्राकृतिक रूप से मिला वर्षा का जल फसलों के लिए फायदेमंद होगा तथा समान रूप से फसलों को मिलकर प्राकृतिक रूप से वायुमण्डलीय नत्रजन को भी उपलब्ध कराने में सहयोगी होगा। इस वर्षा जल से भूमिगत जल में वृद्धि के साथ-साथ फसलों के लिए दोहन किए जा रहे भूमिगत जल में भी लाभ होगा। अधिक जानकारी के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, शिवपुरी के वैज्ञानिकों/ विशेषज्ञों से परामर्श लें।

वर्ष की अंतिम लोक अदालत का आयोजन 9 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत में आपसी राजीनामा से प्रकरणों का निराकरण सर्वोत्तम तरीका है

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजय श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में 9 दिसंबर 2023 दिन शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत में आपसी राजीनामा से प्रकरणों का निराकरण सर्वोत्तम तरीका है, जिससे समय एवं धन की क्षति रूकती है और मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। जिला विधिक सहायता अधिकारी ने 9 दिसंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की जानकारी देते हुए कहा कि समस्त प्रकार के राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से किया जा रहा है जिससे प्रकरण पूरी तरह समाप्त हो जाता है और सभी पक्षकारों की जीत होती है। उन्होने मध्यस्थता प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रक्रिया के अंतर्गत न्यायालय के बाहर आपसी समझौता होता है जिसे वापस न्यायालय में प्रेषित किया जाता है, तद्नुसार न्यायालय द्वारा समझौते का निर्णय दिया जाता है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया जावेगा। लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरणों, सिविल प्रकरणों, चेक बाउंस प्रकरणों, वैवाहिक एवं पारिवारिक प्रकरणों, विद्युत अधिनियम के प्रकरणों, धन वसूली प्रकरणों आदि का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 एवं 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के लिए निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलो वाट तक के गैर-घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट दी जावेगी। इन प्रकरणों में प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। प्रिलिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि में 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जावेगी। सामान्य विद्युत देयकों के विरूद्ध बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जावेगी। यह छूट मात्र नेशनल लोक अदालत दिनांक 9.12.2023 में समझौता करने के लिए ही लागू रहेगी। अपराध शमन फीस, अधिनियम के प्रावधान अनुसार वसूल की जावेगी।गरीय निकाय के अंतर्गत संपत्तिकर एवं जलकर के अधिभारों में छूट दी गई है। संपत्तिकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रूपये बकाया है उसमें अधिभार पर 100 प्रतिशत, 50 हजार से अधिक तथा एक लाख रूपये बकाया होने पर 50 प्रतिशत एवं एक लाख से अधिक बकाया होने पर अधिभार में 25 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। जलकर के ऐसे प्रकरण जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 10 हजार रूपये बकाया है उनमें मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत, 10 हजार रूपये से अधिक तथा 50 हजार रूपये तक बकाया होने पर अधिभार में 75 प्रतिशत एवं 50 हजार रूपये से अधिक बकाया होने पर अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। यह छूट वर्ष 2022-2023 तक की बकाया राशि पर ही देय होगी तथा छूट उपरांत राशि अधिकतम दो किश्तों में जमा करवाई जा सकेगी जिसमें से कम से कम 50 प्रतिशत राशि लोक अदालत के दिन जमा करवाना अनिवार्य होगा। उन्होंने अपील की है कि 9 दिसंबर 2023 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपने राजीनामा योग्य प्रकरणों का निराकरण कराये तथा विवाद विहीन समाज की संकल्पना में न्यायिक प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करें। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सभी राजस्व अधिकारियों के न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य एवं सहमति से निराकरण योग्य प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से निराकृत करने के निर्देश दिये हैं।

संपादकीय

ब्रह्म-वाक्य का प्रश्न नहीं

निश्चित रूप से मीडिया जो कहता है या जो भंडाफोड़ करता है, वो ब्रह्म–वाक्य नहीं होते, जिन्हें हर हाल में स्वीकार कर लिया जाए। लेकिन उससे जो संदेह पैदा होता है, उससे संबंधित प्रकरण की निष्पक्ष और प्रभावी जांच के सूत्र अवश्य मिलते हैं।

अडानी समूह से संबंधित हिंडनबर्ग और मीडियाकर्मियों के समूह ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) की रिपोर्टों के बारे में प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि ये रिपोर्टें ब्रह्म–वाक्य नहीं हैं। ना ही किसी विदेशी वित्तीय अखबार में छपी रिपोर्ट ऐसा सच है, जिसे भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को अनिवार्य रूप से स्वीकार कर लेनी चाहिए। इस वर्ष जनवरी में अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग ने अडानी ग्रुप पर आरोप लगाया था कि विदेश में बनाई गई फर्जी कंपनियों के जरिए उसने भारतीय शेयर बाजार में अपनी कंपनियों के मूल्य बढ़ाए। इसके बाद कई विदेशी अखबारों और फिर ओसीसीआरपी ने भी इस आरोप के समर्थन रिपोर्टें दीं। अब उन्हीं रिपोर्टों के बारे में प्रधान न्यायाधीश ने उपरोक्त टिप्पणी की है।

संपादक
संजय अवस्थी

अभी इस मामले में कोर्ट का फैसला नहीं आया है, इसलिए इस बारे में कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता। बेहतर नजरिया न्यायालय के निर्णय का इंतजार करना होगा। बहरहाल, कोर्ट की टिप्पणियों पर जरूर बहस की जा सकती है। इसलिए कि ऐसी टिप्पणियां भविष्य के लिए नजीर बन जाती हैं।

मुद्दा यह है कि समाज में मीडिया की क्या भूमिका होनी जानी चाहिए? निश्चित रूप से मीडिया जो कहता है या जो भंडाफोड़ करता है, वो ब्रह्म–वाक्य नहीं होते, जिन्हें हर हाल में स्वीकार कर लिया जाए। लेकिन उससे जो संदेह पैदा होता है, उसकी निष्पक्ष और प्रभावी जांच के सूत्र अवश्य मिलते हैं। दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों में ऐसी जांचों से बड़ी–बड़ी गड़बडियां पकड़ी गई हैं। इसलिए ऐसी टिप्पणियां विवादास्पद हैं, जो मीडिया रिपोर्टों के प्रति अपमान–भाव को बढ़ा सकती हैं। ऐसे मामलों में बेहतर नजरिया यह होगा कि हर ऐसी रिपोर्ट को विश्वसनीय जांच के लिए एक प्रथम–दृष्टया साक्ष्य के रूप में लिया जाए। यही लोकतंत्र का तकाजा है। जहां तक हिंडनबर्ग की बात है, तो अपने भंडाफोड़ के साथ उसने अडानी ग्रुप को चुनौती दी थी कि वह उसके खिलाफ अमेरिका में मुकदमा करे। अगर ऐसा होता, तो हिंडनबर्ग की जवाबदेही बेहतर ढंग से तय हो सकती थी। अगर उसने शरारतपूर्ण रिपोर्ट दी है, तो उसे उसकी सजा भी मिल पाती। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।

आयात आंकड़ों का अंतर

साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय संस्था ग्लोबल फाइनेंशियल इंटेग्रिटी की रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में टैक्स बचाने के लिए अंडर इनवॉयसिंग बड़े पैमाने पर होती है। जीएफआई ने अंडर इनवॉयसिंग और ओवर इनवॉयसिंग को काला धन का एक प्रमुख स्रोत बताया था। चीन से होने वाले आयात में कथित घपले का अंदेशा गहरा गया है। यह अंदेशा बीते कई वर्षों से जारी है। मुद्दा यह है कि चीन के सरकारी आंकड़ों में भारत को हुए निर्यात की जो मात्रा बताई जाती है, वह भारत सरकार के आयात आंकड़ों से काफी ज्यादा है। 2022 की तुलना में 2023 के पहले दस महीनों के जो आंकड़े हैं, उनमें यह अंतर और बढ़ गया है। पिछले साल के जनवरी–अक्टूबर के चीनी आंकड़ों के अनुसार भारत को 99.29 बिलियन डॉलर का निर्यात हुआ। जबकि भारतीय आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में हुआ सिर्फ 86.54 बिलियन डॉलर का आयात हुआ। इस वर्ष चीनी आंकड़ों में ये संख्या 97.97 बिलियन डॉलर है। भारतीय आंकड़ों में यह 82.5 बिलियन डॉलर है। मतलब पिछले साल अंतर 12.75 बिलियन डॉलर का था। इस वर्ष यह 15.47 बिलियन डॉलर हो गया है। तो यह राज क्या है? तीन ही बातें हो सकती हैं– या तो चीन में ओवर इन्वॉयसिंग (असल निर्यात से अधिक की बिलिंग) हुई या फिर भारत में अंडर इनवॉयसिंग (वास्तविक आयात से कम की बिलिंग) हुई। या फिर दोनों सरकारी आंकड़े सही हैं, खेल आयातकों ने किया। आयात शुल्क बचाने के लिए वास्तविक से कम आयात दिखाया गया। यह पुराना चलन है। 2016 में अंतरराष्ट्रीय संस्था ग्लोबल फाइनेंशियल इंटेग्रिटी (जीएफआई) की रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में टैक्स बचाने के लिए अंडर इनवॉयसिंग बड़े पैमाने पर होती है। उस वर्ष सिर्फ पांच उत्पादों के आयात में 1.8 बिलियन डॉलर की कर चोरी का अंदाजा उस संस्था ने लगाया था। उसके पहले जीएफआई की रिपोर्टों की कई रिपोर्टों में अंडर इनवॉयसिंग और ओवर इनवॉयसिंग को काला धन का एक प्रमुख स्रोत बताया गया था। इसीलिए आयात संबंधी चीन और भारत सरकारों के आंकड़ों के बीच जो फर्क है, उसकी गंभीर जांच की जरूरत महसूस होती है। स्पष्ट है कि इस चलन के कारण भारत सरकार को राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा है। ये बात ध्यान में रखने की है कि ये आंकड़ा सिर्फ चीन से आयात का है। संभव है कि ऐसा दूसरे देशों से हो रहे आयात में भी हुआ हो।

दुबई की सीओपी बैठक में होगा क्या?

हम अपनी पृथ्वी का क्या बुरा हाल कर रहे हैं, इस बारे में खतरे की घंटी पेरिस में सन 2015की सीओपी (कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज) शिखर बैठत में बजा दी गई थी।तब पहली बार दुनिया ने तथाकथित विकास की वजह से जलवायु को हुई हानि की ओर ध्यान दिया। पेरिस सीओपी में अनुमान लगा था कि यदि दुनिया नहीं जागी और सभी देशों ने आवश्यक नीतिगत फैसले नहीं किए तो सन् 2100 तक ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान औद्योगिकरण से पहले की तुलना में 3 डिग्री सेंटीग्रेड से भी अधिक बढ़ जाएगा।इसके बावजूद तब कोई ठोस कदम नहीं उठे। बस इतना जाना–समझा कि कुछ किया जाना है और वह जल्द से जल्द होना चाहिए।उसी बैठक में भविष्य में होने वाले सीओपी के लिए नियमों का निर्धारण हुआ।तयहुआ कि सन 2023 में विश्वस्तर पर हालात का एक बार फिर जायजा लिया जाएगा। देखा जायेगा कि 2015 में हुए समझौते के व्यापक लक्ष्यों के निकट पहुंचने के लिए क्या किया जा चुका है और क्या नहीं किया जा सका है।

अब उसी सिलसिले में आज दुनिया भर के देशों के प्रतिनिधि यूएई के दुबई में सीओपी28 के लिए एकत्रित हुए हैं जहां यह चर्चा होगी कि हमने क्या हासिल किया है और जलवायु संकट का मुकाबला करने के प्रयासकिस दिशा में जा रहे हैं।हाल में 2023 की यूएनईपी गेप रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि सभी देश पेरिस समझौते के अंतर्गत जो कुछ उन्हें करना है, उसे पूरी तरह से कर दें तभी हम औसत वैश्विक तापमान की वृद्धि 2.9 डिग्री सेंटीग्रेड तक सीमित रखने की दिशा में ही आगे बढ़ सकेंगे, जो पेरिस में निर्धारित किए गए और 2021 में ग्लासगो में दुहराए गए 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड के लक्ष्य की तुलना में बहुत कम होगा। यहाँ यह याद रखा जाना चाहिए कि 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की वृद्धि भी इतनी अधिक है कि वह अरबों लोगों का जीवन दूभर कर देगी।बहरहाल, अनिश्चितता के हालात बने हुए हैं।

पांच राज्यों के चुनाव में सब पर भारी पड़ी है कांग्रेस, परिणाम के बाद देश में बढ़ेगा राहुल गांधी का कद

राजस्थान में सबसे बड़ी आबादी जाट समाज की है जो पारंपरिक रूप से कांग्रेस के समर्थक रहे हैं। इस बार भी जाटों का कांग्रेस से जुड़ाव कांग्रेस के लिए एक नई संजीवनी साबित हो रहा है। हालांकि भाजपा ने सात सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा था। देश के पांच राज्यो के विधानसभा चुनावो में कांग्रेस ने अपनी ताकत का एहसास कराया है। कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस ने भारी बहुमत से अपनी सरकार बनाकर भाजपा को जबरदस्त पटकनी दी थी। तभी से लगने लगा था कि कांग्रेस धीरे–धीरे अपनी स्थिति सुधार रही है। वहीं केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा का पराभव प्रारंभ हो चुका है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जब भारत जोड़ो यात्रा प्रारंभ की थी तो किसी को सपने में भी गुमान नहीं था कि उनकी यात्रा को आमजन का इतना जन समर्थन मिलेगा। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने कमजोर होती कांग्रेस में एक नई जान फूंकने का काम किया है। पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव को लोकसभा चुनाव के ट्रेलर के रूप में देखा जा रहा है। इन राज्यों के नतीजे का असर अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में देखने को मिलेगा। सबसे बड़ी बात 26 विपक्षी दलों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को कितनी बड़ी चुनौती दे पाएगा इसका पता भी इन विधानसभा चुनाव के परिणामों से लग जाएगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मिजोरम में विधानसभा की कुल 679 सीटों के लिए हो रहे चुनाव में कांग्रेस प्राय सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है। हिंदी भाषी बेल्ट माने जाने वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में तो कांग्रेस की भाजपा से सीधा मुकाबला है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने इन तीनों प्रदेशों में सरकार बनाई थी। मगर भाजपा ने षडयंत्र पूर्वक मध्य प्रदेश की सरकार को गिरकर शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में अपनी सरकार बना ली थी। अब इन तीनों ही प्रदेशों में एक बार फिर कांग्रेस व भाजपा में सीधा मुकाबला हो रहा है। यहां मतदान हो चुका है। मतदान के प्रारंभिक रुझानों से लगता है कि कांग्रेस मजबूत बनकर उभर रही है। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस ने पिछले दो वर्षों में बहुत सी जनहितकारी योजनायें शुरू की थीं। जिसका असर इन चुनाव में भी देखने को मिला है। चुनाव के दौरान राजस्थान में कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में प्रदेश की जनता से सात वायदे किए हैं तथा कहा है कि यदि फिर से कांग्रेस की सरकार बनती है तो वह इन वादों को लागू करेगी। यह सभी वायदे आम जन को खासा प्रभावित कर रहे हैं। राजस्थाना में कांग्रेस ने कमजोर स्थिति वाले बहुत से विधायकों का टिकट काट कर नए लोगों को मौका दिया है। जिससे सरकार के प्रति व्याप्त नाराजगी समाप्त हुई है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस तरह से चुनावी चक्रव्यूह की रचना की थी जिसमें भाजपा के दिग्गज नेता भी उलझ कर रह गए। कई बड़े जाट नेताओं के भाजपा में जाने के बावजूद कांग्रेस पार्टी ने जाट समाज के लोगों को बढ़ चढ़कर टिकट दिया थां जिसके चलते जाट समाज के मतदाता कांग्रेस से ही जुड़े रहे हैं। प्रदेश में सबसे बड़ी आबादी जाट समाज की है जो पारंपरिक रूप से कांग्रेस के समर्थक रहे हैं। इस बार भी जाटों का कांग्रेस से जुड़ाव कांग्रेस के लिए एक नई संजीवनी साबित हो रहा है। हालांकि भाजपा ने सात सांसदों को चुनाव मैदान में उतारा था। मगर सभी सांसद चुनावी चक्रव्यूह में फंसे हुए नजर आये। उनके चुनाव लड़ने से भाजपा को कोई फायदा होता नजर नहीं आ रहा है। उसके उलट कांग्रेस ने संगठन से जुड़े कई नए लोगों को अवसर देखकर पार्टी कार्यकर्ताओं में एक नए जोश का संचार किया है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस को भाजपा द्वारा करवाए गए दल–बदल का लाभ मिलता नजर आ रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में वहां कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी थी। मगर सवा साल बाद ही भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक विधायकों से दल–बदल करवाकर कमलनाथ सरकार को गिराकर भाजपा की सरकार बना ली थी। भाजपा ने वहां अपनी जोड़–तोड़ से सरकार तो बना ली थी। मगर कांग्रेस से भाजपा में आए सिंधिया समर्थक विधायकों व भाजपा के मूल कार्यकर्ताओं का टकराव कभी समाप्त नहीं हो पाया। यहां तक की टिकट वितरण में भी भाजपा दोनों गुटों को एक जगह करने में असफल रही। इसी के चलते बड़ी संख्या में भाजपा के बागी मैदान में उतरकर भाजपा प्रत्याशियों को नुकसान पहुंचाया है। मध्य प्रदेश में लगातार शिवराज सिंह के मुख्यमंत्री बनने व उनके शासन में खुले आम भ्रष्टाचार होने के कारण वहां की जनता में सरकार के प्रति भारी नाराजगी व्याप्त थी। जिसका असर चुनाव में होना तय माना जा रहा है। शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते पहले व्यापमं घोटाले का दाग लगा था जो धुल भी नहीं पाया था कि पिछले दिनों पटवारी भर्ती परीक्षा को लेकर भी शिवराज सिंह सरकार को खासी बदनामी झेलनी पड़ी थी।लगातार चार बार मुख्यमंत्री रहने के कारण मध्य प्रदेश के लोगों में शिवराज सिंह चौहान की नकारात्मक छवि बन चुकी है। जिसका खामियाजा वहां भाजपा को उठाना पड़ेगा। मध्य प्रदेश में भी भाजपा ने बड़ी संख्या में केंद्रीय मंत्रियों व सांसदों को मैदान में उतार कर शिवराज सरकार के प्रति व्याप्त हो रही नाराजगी को कम करने का प्रयास किया था। मगर ऐसा हो नहीं पाया। मध्य प्रदेश की जनता शिवराज सरकार के कारनामों के कारण हर हाल में भाजपा सरकार को बदलना चाहती है।छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस के पहले ऐसे नेता हैं जो पांच साल शासन करने के उपरांत भी प्रदेश की जनता में पहले की तरह लोकप्रिय बने हुए हैं। जमीन से जुड़े होने के कारण बघेल को आम आदमी की समस्याओं का पता है। अपने कार्यकाल में उन्होंने आम आदमी के भले से जुड़ी अनेकों योजनाएं जारी कर लोगों में अपनी सरकार के प्रति नकारात्मक भावना पैदा ही नहीं होने दी। जिसका लाभ उनको विधानसभा चुनाव में भी मिलता दिख रहा है। अंतिम वर्ष में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी टीएस सिंह देव को उपमुख्यमंत्री बनाकर उनकी नाराजगी ही दूर नहीं की बल्कि कांग्रेस संगठन को भी मजबूत करने का काम किया है।पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के मुख्यमंत्री रमन सिंह के 15 साल के कार्यकाल से तंग आ चुकी जनता को भूपेश बघेल ने एक नया नेतृत्व देखकर प्रदेश के सभी वर्गों के विकास का वादा किया था। जिस पर उन्होंने खरा उतरने के लिए पूरा प्रयास किया है। छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस मजबू... के साथ चुनाव लड़ी है और पि... से सरकार बनाने को लेकर पू... तरह आशान्वित नजर आ र... है।तेलंगाना में कांग्रेस ने सब... अधिक मजबूती दिखाई है। 201... के बाद तेलंगाना में कांग्रेस बहु... कमजोर स्थिति में पहुंच गई थी... मगर इस बार बीआरएस पार्टी ... मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ... कड़ी टक्कर दे रही है। वहां ... स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि ... भाजपा व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर रा... की पार्टी में गुप्त समझौता हुआ बत... है। जिसके चलते भाजपा कांग्रेस को हरा... के लिए अंदरखाने बीआरएस को चुना... जितवाने का प्रयास कर रही है। इसी ... चलते विधानसभा चुनाव प्रचार में भाजपा ... तरफ से पहले जैसी आक्रामकता नज... नहीं आयी। मिजोरम में कांग्रेस पूरी ताक... से सत्ता में आने का प्रयास कर रही ... और कांग्रेस नेताओं के चुनाव प्रचार ... लगता है कि वहां कांग्रेस अपनी खो... जमीन को फिर से पा लेगी। विधानस... चुनाव के नतीजे आने में अभी समय है... मगर जिस तरह से मतदान हुआ ... उसको देखकर लगता है कि आ... वाला समय कांग्रेस के लिए शुभ संके... लेकर आएगा।

सिल्क्यारा सुरंग दुर्घटना के सबक

अजीत द्विवेदी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिल्क्यारा की निर्माणाधीन सुरंग में हुए दुखद हादसे का अंत सुखद रहा है। सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूरों को 17वें दिन सकुशल निकाल लिया गया। लेकिन इस घटना से कुछ सवाल खड़े हुए हैं और कुछ सबक भी मिले हैं, जिन पर सरकारों के साथ साथ इस तरह के सामरिक व रणनीतिक रूप से अहम और बेहद संवेदनशील काम करने वाली निजी कंपनियों को भी ध्यान देना चाहिए। इस हादसे के बाद एक अच्छी बात यह भी हुई है कि केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने देश के अलग अलग हिस्सों में बन रही इस तरह की 19 सुरंगों के कामकाज की समीक्षा करने का फैसला किया है। अगर इससे सबक लेकर मंत्रालय यह सुनिश्चित करता है कि किसी दूसरी निर्माणाधीन सुरंग में इस तरह का हादसा नहीं होगा तो यह माना जाएगा कि सिल्क्यारा सुरंग में 41 मजदूरों की जिंदगियों का दांव पर लगना सार्थक साबित हुआ। दूसरे, इस मामले में सुरंग बनाने वाली निजी कंपनी को जिम्मेदार ठहराना, उस पर आरोप लगाना, उसे सजा देने की मांग करना, उससे जुर्माना वसूलने की सलाह देना भी एक किस्म का राजनीतिक नैरेटिव है, जिससे बचना चाहिए।

सबको पता है कि इस तरह की सुरंग पहाड़ी इलाकों में बनाई जाती हैं। उत्तराखंड से लेकर हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर तक और उधर पूर्वोत्तर के राज्यों में ऐसी सुरंगें बनाई जाती हैं और इनका निर्माण निजी कंपनियां ही करती हैं। इन सुरंगों के निर्माण के एक साथ कई मकसद होते हैं। एक मकसद तो लोगों के लिए आवाजाही की सुविधा उपलब्ध कराना है लेकिन साथ ही इसका बड़ा सामरिक व रणनीतिक महत्व होता है। संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में, जहां चीन और पाकिस्तान दोनों की तरफ से सुरक्षा खतरा बना हुआ है, वहां इन सुरंगों से हर मौसम में निर्बाध परिवहन सुनिश्चित होता है। कमजोर होते पहाड़ों में इस तरह की सुरंगों का निर्माण हमेशा जोखिम का काम होता है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की मांग जरूर होनी चाहिए और साथ ही पर्यावरण विशेषज्ञों की राय लेने और उन्हें अनिवार्य रूप से मानने की बात भी भी होनी चाहिए लेकिन सुरंग बनाने वाली कंपनियों को सजा देने की मांग उचित नहीं है।

आखिर सुरंग बना रही निजी कंपनी ने ही दिल्ली की एक निजी कंपनी के सम्पर्क किया और एक दर्जन रैट माइनर्स बुलाए, जिन्होंने सिर्फ 21 घंटे में आखिरी 12 मीटर की मैनुअल खुदाई कर दी और मजदूरों को बाहर निकाल लिया। इसलिए यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कमजोर या कच्चे पहाड़ या इंसानी अतिक्रमण का शिकार हुए पहाड़ों में इस तरह की परियोजनाओं के साथ ऐसी दुर्घटनाएं होंगी। जरूरत इस बात की है कि उन्हें कैसे रोका जाए और हादसे के बाद जान–माल का नुकसान कैसे कम से कम हो यह सुनिश्चित किया जाए। सुरंग का निर्माण कर रही कंपनी और सरकार के ऊपर इस बात का दबाव जरूर बनना चाहिए कि वह मजदूरों को पर्याप्त मुआवजा दे। मजदूर और उनके परिजन जिस सदमे में थे और उन्होंने जो तनाव झेला है उसकी भरपाई निश्चित रूप से की जानी चाहिए। इस मामले में चिली की 2010 की घटना से सबक लिया जा सकता है, जिसमें एक अमेरिकी कंपनी के लिए काम कर रहे मजदूर कॉपर की खदान में फंस गए थे। निकलने के बाद उन सबको बड़ा मुआवजा मिला था। कई मजदूरों को तो जीवन भर पेंशन की व्यवस्था हुई थी।

बहरहाल, सिल्क्यारा सुरंग के हादसे ने एक चीज और प्रमाणित की है कि संकट के समय पूरा देश और सारी एजेंसियां एक हो जाती हैं। संकट के समय ही देश और समाज का वास्तविक चरित्र सामने आता है। दिवाली के दिन सुबह हुए इस हादसे के बाद जिस तरह से केंद्र व राज्य की सारी एजेंसियों ने मिल कर काम किया वह काबिले तारीफ है। इससे यह साबित हुआ कि अगर आपदा प्रबंधन की सारी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए तो किसी भी संकट में जान–माल के नुकसान को रोका जा सकता है या कम किया जा सकता है। सिल्क्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एनडीएमए, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी एसडीएमए, बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन यानी बीआरओ, इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस यानी आईटीबीपी, नेशनल हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी एनएचआईडीसीएल और अंत में भारतीय सेना ने बेहतरीन तालमेल के साथ काम किया। केंद्र और राज्य सरकार ने निरंतर निगरानी रखी और जब जिस मशीन की जरूरत हुई उसे दश के अलग अलग राज्यों से विशेष विमान के जरिए लाकर घटनास्थल तक पहुंचाया गया।

ध्यान रहे चिली से लेकर चीन और अमेरिका से लेकर थाईलैंड तक इस तरह की दुर्घटनाएं हुई हैं और कई जगह फंसे हुए मजदूरों को निकालने में महीनों लगे हैं। चिली में 2010 में एक अमेरिकी कॉपर कंपनी की खदान में 33 मजदूर फंसे थे और उन्हें सुरक्षित निकालने में 69 दिन का समय लगा था। सबसे ताजा मामला थाईलैंड का है, जहां 2018 में एसोसिएशन फुटबॉल टीम के 12 बच्चे और उनके कोच एक सुरंग में फंस गए थे। उन्हें निकालने में 10 हजार लोगों की टीम लगी थी, जिसमें 90 गोताखोर थे। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया से लेकर चीन, रूस, ब्रिटेन आदि देशों के सुरंग और राहत व बचाव कार्य के विशेषज्ञ घटनास्थल पर पहुंचे थे और 18 दिन के अथक प्रयास के बाद सबको सुरक्षित बाहर निकाला गया था। ऐसे ही सिल्क्यारा सुरंग हादसे के बाद भी दुनिया भर के विशेषज्ञ घटनास्थल पर पहुंचे, सारी एजेंसियों ने एक होकर बचाव के लिए काम किया, आम लोगों और स्थानीय प्रशासन का पूरा सहयोग इस प्रक्रिया में रहा और अंत में 17 दिन की मेहनत रंग लाई।

इस घटना का एक सबक यह है कि सरकार सभी निर्माणाधीन सुरंगों की सुरक्षा की समीक्षा करा रही है। इस सबक को ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत है। सिर्फ निर्माणाधीन सुरंगों की सुरक्षा की समीक्षा पर्याप्त नहीं होगी। इस तरह की जितनी भी परियोजनाएं हैं, जो पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में चल रही हैं उन सबकी समीक्षा करने की जरूरत है। सिल्क्यारा सुरंग हादसे के बाद मदद के लिए पहुंचे ऑस्ट्रेलिया के सुरंग विशेषज्ञ आर्नोल्ड डिक्स ने बहुत भावुक होकर एक मौके पर कहा कि ‘हम पहाड़ से अपने बच्चे मांग रहे हैं’। पहाड़ विशालता और उदारता का प्रतीक होते हैं। इसलिए डिक्स पहाड़ से अपने बच्चे लौटा देने की अपील कर रहे थे। सरकारों और तमाम निर्माण एजेंसियों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पहाड़ या प्रकृति हमेशा ऐसी उदारता नहीं दिखाएंगे। अगर समझदारी नहीं दिखाई गई तो आने वाले समय में संकट गहराएगा। इसलिए पहाड़ों, जंगलों की अंधाधुंध कटाई और निर्माण को समय रहते रोका जाना चाहिए। सिर्फ सुरक्षा की समीक्षा पर्याप्त नहीं होगी। उसके साथ साथ पहाड़ों और जंगलों में चलने वाली तमाम व्यावसायिक गतिविधियों की समीक्षा होनी चाहिए और दीर्घावधि की योजना बननी

आज का राशिफल

मेष राशिरू आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आप किसी की मदद करेंगे, जिससे आपको खुशी होगी। आज आप कुछ ऐसा करेंगे जिससे लोग आपसे प्रभावित होंगे और आपको फॉलो करेंगे। आज आप शाम तक किसी विशेष काम को पूरा करने में समय देंगे, काम का रिजल्ट भी आपके मन मुताबिक होगा। आज आपको किसी पुराने निवेश से काफी लाभ होगा। लवमेट्स की आज फोन पर देर तक बात होगी। अगर आप अपने बच्चें के लिए शादी का रिश्ता ढूंढ रहे है, तो आज आपको कोई अच्छा रिश्ता मिलेगा।

- शुभ रंग– सफेद
- शुभ अंक– 1

वृष राशिरू आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपका विश्वास बढ़ेगा आप किसी दूसरे की बातों पर ध्यान न देकर खुद पर विश्वास करेंगे। आज आप कोई कर्ज उतारने में सफल होंगे, आपकी मानसिक उलझन कम होगी। इस राशि की जो महिलाएं कोई जॉब करना चाहती हैं उनके लिए घरवालों से सलाह–मशवरा करने का बढिया दिन हैं। इस राशि के वकीलों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, नए क्लाइंट के साथ मीटिंग होगी। आज दोस्तों के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं, आपका मन धार्मिक कार्यों में भी लगेगा।

- शुभ रंग– लाल
- शुभ अंक– 8

मिथुन राशिरू आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप माता की कोई इच्छा पूरी करेंगे, जिससे उनका मन प्रसन्न होगा। आज आपके ननिहाल पक्ष से कोई खुशखबरी मिल सकती है। आज कोई करीबी व्यक्ति आपसे आर्थिक मदद मांगेगा आप उसकी हर–संभव मदद करेंगे। राजनीति से जुड़े लोग आज अपना संपर्क बढ़ाने में कामयाब होंगे। टेक्सटाइल का बिजनेस कर रहे लोगों का बिजनेस बढ़ेगा, अधिक धन लाभ होने के योग बन रहे है। प्राइवेट सेक्टर में जॉब कर रहे लोग, आज अपने परिवार वालों से मिलने का समय निकालेंगे।

- शुभ रंग– हरा
- शुभ अंक– 5

कर्क राशिरू आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है आज आपकी सामाजिक गतिविधि में रूचि रहेगी। आज आप किसी काम में बड़े–बुजुर्गों की सलाह लेंगे, आपको काफी फायदा होगा। इस राशि के जो लोग प्राइवेट जॉब करते हैं उनके लिए आज का दिन व्यस्तता से भरा हो सकता है। बिजनेस में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। किसी मित्र की हेल्प करके आप खुद को बेहतर फील करेंगे। किसी समारोह का आयोजन होगा, जिसमे आप बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेंगे। अपने डेलीरूटीन में ताजे फलों और हरी सब्जियों को शामिल करें, जिससे आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

- शुभ रंग– गुलाबी
- शुभ अंक– 3

सिंह राशिरू आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है आज पिता जी आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम सौपेंगे जिसे बखूबी पूरा करने पर आपको शाबाशी मिलेगी, साथ ही पिता जी आपसे कुछ मन की बाते भी शेयर करेंगे। आज आप किसी काम को करने के लिए उत्साहित रहेंगे। बिजनेस में अच्छा लाभ मिलने की वजह से आज आपके घर पर एक छोटी से पार्टी का आयोजन होगा, जिससे घर में हर्ष का माहौल बनेगा लेकिन साथ ही व्यस्तता भी बनी रहेगी। आज आपको कोई अच्छी खबर मिलेगी जिससे आपको बहुत खुशी होगी।

- शुभ रंग– मैजेंटा
- शुभ अंक– 2

कन्या राशिरू आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है आज आप कोई बिजनेस साझेदारी में शुरू करने का मन बनायेंगे। आपकी कोई पुरानी गलती के कारण आज आपको पछतावा होगा आप उस गलती को सुधारने का पूरा प्रयास करेंगे माइग्रेन की समस्या के लिए आज आप किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे आपको जल्द ही आराम मिलेगा।

पीसीबी के अजब गजब कारनामे, फिक्सर सलमान बट को राष्ट्रीय चयन समिति में किया शामिल

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कलंकित सलमान बट को न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले साल होने वाले पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले राष्ट्रीय चयन समिति में शामिल किया है। जिसके बाद पाक फैंस काफी नाराज हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को अपने सेलेक्श कमिटी में पूर्व कप्तान और फिक्सिंग के मामले में प्रतिबंधित रहे सलमान बट को शामिल किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कलंकित सलमान बट को न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले साल होने वाले पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले राष्ट्रीय चयन समिति में शामिल किया है। जिसके बाद पाक फैंस काफी नाराज हैं। बता दें कि, 39 वर्ष के बट ने स्पॉट फिक्सिंग मामले में पाच साल का प्रतिबंध झेलने के बाद 2016 में क्रिकेट में वापसी की। उन्हें , कामरान अकमल और राव इफ्तिखार अंजुम को हाल ही में नियुक्त मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज का सलाहकार नियुक्त किया गया है। अगस्त 2010 में पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच के दौरान स्पॉट फिक्सिंग में भूमिका के लिये बट पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया गया था। उन्होंने 2016 में क्रिकेट में वापसी की और घरेलू स्पर्धाओं में काफी सफल रहे लेकिन राष्ट्रीय टीम में दोबारा जगह नहीं बना सके।

टी 20 रायपुर स्टेडियम में बिजली संकट, भारत–आस्ट्रेलिया मैच में जनरेटर से जलेगी फ्लड लाइट्स!

पांच मैचों की सीरीज का चौथा टी20 मुकाबला आज रायपुर में खेला जाएगा। रायपुर का शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम का ये ग्राउंड पर पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच होगा। वहीं कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टेडियम में पर्याप्त बिजली नहीं है, इसी कारण यहां फ्लड लाइट्स जनरेटर से जलाई जाएंगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की सीरीज का चौथा टी20 मुकाबला आज रायपुर में खेला जाएगा। रायपुर का शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम का ये ग्राउंड पर पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच होगा। वहीं कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टेडियम में पर्याप्त बिजली नहीं है, इसी कारण यहां फ्लड लाइट्स जनरेटर से जलाई जाएंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम, रायपुर की बिजली 2018 में ही काट दी गई थी। क्योंकि यहां करोड़ों रुपये का बिजली बिल का कर्ज हो गया था। अभी जो बिलजी स्टेडियम में आ रही है, वह पर्याप्त क्षमता की नहीं है और इससे फ्लड लाइट्स आदि नहीं जल सकती। इसलिए ही यहां पर फ्लड लाइट्स के लिए जनरेटर का प्रयोग किया जाता है। हालांकि, वो चिंता का विषय इसलिए नहीं होगा क्योंकि, इससे बिजली बीच में कटने का भी खतरा नहीं होगा। रायपुर में आज होने वाले भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मैच के दौरान एक लेजर लाइट शो भी होगा। मैच से पहले इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। इससे पहले यहां भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे मैच खेला गया था, उस दौरान भी यहां लेजर लाइट का आयोजन किया गया था। फिलहाल, पांच मैचों की टी20 सीरीज में दोनों टीमों के बीच 3 मैच खेले जा चुके हैं। जिसमें भारत ने 2–1 की जीत के साथ बढ़त बनाई हुई है। वहीं अगर इस मैच को भारत जीत जाता है तो वो सीधे तौर पर सीरीज अपने नाम करने में कामयाब हो जाएगा। लेकिन कंगारू टीम भी दो हार के बाद घायल शेर की तरह पंजा मारने की कोशिश करेगी और इस मैच को जीतकर सीरीज को बराबर करने का प्रयास करेगी।

वर्ल्ड कप ट्राफी को पैरों के नीचे रखने पर मिचेल मार्श ने तोड़ी चुप्पी, कहा– कोई पछतावा नहीं

ट्रेविस हेड की 137 रन की पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को सात ओवर शेष रहते हुए जीत दिलाने में मदद की। इसके बाद, ऑस्ट्रेलिया के जश्न की तस्वीरें वायरल हो गई। जिनमें से एक मार्श की थी जो अपने पैरों के नीचे ट्रॉफी रखकर जश्न मना रहे थे। वर्ल्ड कप 2023 की ट्रॉफी को पैरों के नीचे रखकर फोटो के लिए पोज देने को लेकर मिचेल मार्श की काफी आलोचना हुई थी। जिस पर अब उन्होंने अपनी चुप्पी तोड़ी है। इस मामले में ऑलराउंडर ने कहा कि इस पोज से उनका इरादा किसी का अनादर करने का नहीं था। 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हराया। हालांकि, ट्रेविस हेड की 137 रन की पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को सात ओवर शेष रहते हुए जीत दिलाने में मदद की। इसके बाद, ऑस्ट्रेलिया के जश्न की तस्वीरें वायरल हो गई। जिनमें से एक मार्श की थी जो अपने पैरों के नीचे ट्रॉफी रखकर जश्न मना रहे थे। मार्श ने मैच से बातचीत करते हुए कहा कि, स्पष्ट रूप से उस तस्वीर में कोई अनादर नहीं था। मैंने इस पर ज्यादा विचार नहीं किया है। मैंने सोशल मीडिया पर बहुत कुछ नहीं देखा है। भले ही हर कोई मुझसे कहता है कि ये चल रहा है। इसमें कुछ भी नहीं है। साथ ही उन्होंने पांच मैचों की टी20 सीरीज पर भी अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि, हां ये उन लोगों के लिए बहुत अपमानजनक था, जिन्हें पीछे रहना पड़ा। ये एक अच्छी लाइन है क्योंकि, हमें इस तथ्य का सामना करना होगा कि हम ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहे हैं।

साउथ दौरे पर भी सूर्यकुमार करेंगे टी 20 टीम की अगुआई, राहुल को टी 20 की कमान, टेस्ट में रोहित को जिम्मेदारी

टेस्ट श्रृंखला में राहुल विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाएंगे। रोहित और विराट कोहली दोनों ने बीसीसीआई से दौरे के सीमित ओवरों के चरण से ब्रेक लेने का आग्रह किया था। अखिल भारतीय वरिष्ठ पुरुष चयन समिति ने दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए भारत की वनडे और टी20 टीम की घोषणा कर दी है। घोषणा से पुष्टि होती है कि चयन समिति फिलहाल सूर्यकुमार यादव को टी20ई में कप्तान बनाए रखने की इच्छुक है क्योंकि उन्हें दौरे के टी20ई चरण के लिए कप्तान नामित किया गया है। वहीं केएल राहुल को दौरे पर वनडे टीम का नेतृत्व करने के लिए कहा गया है। गुरुवार को यहां बैठक करने वाली भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की चयन समिति ने सेंचुरियन में 26 दिसंबर से शुरू हो रही दो टेस्ट की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह को उप कप्तान बनाने का फैसला किया है जबकि रोहित शर्मा टीम की अगुआई करना जारी रखेंगे। टेस्ट श्रृंखला में राहुल विकेटकीपर की जिम्मेदारी निभाएंगे। रोहित और विराट कोहली दोनों ने बीसीसीआई से दौरे के सीमित ओवरों के चरण से ब्रेक लेने का आग्रह किया था। टेस्ट के लिए भारत की टीमरू रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, मो. शमी, जसप्रित बुमराह (वीसी), प्रसिद्ध कृष्णा। 3 टी20 मैचों के लिए भारत की टीमरू यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, इशान किशन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (वीसी), वाशिंगटन सुंदर , रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, मो. सिराज, मुकेश कुमार, दीपक चाहर। 3 वनडे के लिए भारत की टीमरू रुतुराज गायकवाड़, साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल , मुकेश कुमार, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, दीपक चाहर।

महिला जूनियर हाकी विश्व कप में जर्मनी से हारी भारतीय टीम

भारतीय टीम एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में पिछली उपविजेता जर्मनी से 3 . 4 से हार गई। भारत के लिये अन्नु (11वां मिनट), रोपनी कुमारी (14वां मिनट) और मुमताज खान (24वां मिनट) ने गोल किये जबकि जर्मनी के लिये सोफिया श्वाबे (17वां), लौरा प्लथ (21वां और 36वां) और कैरोलिन सेइडेल (38वां) ने गोल दागे।

दो गोल की बढत बनाने के बावजूद भारतीय टीम एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में पिछली उपविजेता जर्मनी से 3 . 4 से हार गई। भारत के लिये अन्नु (11वां मिनट), रोपनी कुमारी (14वां मिनट) और मुमताज खान (24वां मिनट) ने गोल किये जबकि जर्मनी के लिये सोफिया श्वाबे (17वां), लौरा प्लथ (21वां और 36वां) और कैरोलिन सेइडेल (38वां) ने गोल दागे।पहले मैच में कनाडा को 12. 0 से हराने वाली भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर में दबदबा बना लिया और जर्मनी की रक्षापंक्ति को खासा परेशान किया। इन हमलों के बीच भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले और दूसरे पर अन्नु ने गोल करके टीम को बढत दिलाई। इसके तीन मिनट बाद रोपनी ने गोल करके पहले क्वार्टर में भारत की बढत 2 . 0 की कर दी। दूसरे क्वार्टर में जर्मनी के लिये सोफिया ने दूसरे ही मिनट में फील्ड गोल दागा। वहीं लौरा ने बराबरी का गोल किया। मुमताज ने हालांकि 24वें मिनट में गोल करके हाफटाइम तक भारत को फिर 3 . 2 की बढत दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भारत का जोर गेंद पर नियंत्रण बनाये रखने पर रहा जबकि जर्मनी ने बराबरी का गोल दाग दिया। लौरा ने 36वें मिनट में यह गोल किया। कैरोलिन ने 38वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके जर्मनी को बढत दिलाई। आखिरी क्वार्टर में दोनों टीमों ने काफी आक्रामक खेल दिखाया लेकिन गोल नहीं हो सका। भारतीय गोलकीपर माधुरी किंडो ने शानदार प्रदर्शन करके जर्मनी को एक और गोल करने से रोका। भारत को आखिरी क्षणों में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन गोल नहीं हो सका। भारत का सामना अब शनिवार को बेल्जियम से होगा।

वालेंशिया में पांच देशों के हाकी टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी संभालेंगे हरमनप्रीत

हरमनप्रीत सिंह 15 से 22 दिसंबर तक स्पेन के वालेंशिया में होने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट में भारत की 24 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। अनुभवी ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह 15 से 22 दिसंबर तक स्पेन के वालेंशिया में होने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट में भारत की 24 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। सुमित और अमित रोहिदास उपकप्तान होंगे। यह टूर्नामेंट 2023 . 24 हॉकी प्रो लीग सत्र की तैयारी के लिये अहम होगा। इसमें भारत का सामना स्पेन, जर्मनी, फ्रांस और बेल्जियम से होगा। गोलकीपिंग में पी आर श्रीजेश और कृशन बी पाठक के साथ सूरज करकेरा भी होंगे। डिफेंस की कमान हरमनप्रीत, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, रोहिदास, वरुण कुमार, सुमित , संजय और नीलम संजीप सेस के हाथ में होगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि इस टूर्नामेंट से युवाओं को दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने का दबाव अनुभव करने का मौका मिलेगा। उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा ," हमारे पास युवा और अनुभवी खिलाड़ियों सहित संतुलित टीम है।

क्या होते हैं ओलंपिक खेल ? जानिए कुछ दिलचस्प बातें और जानकारी

पूरी दुनिया में ओलंपिक खेल मुख्यत चार प्रकार के होते हैं। इनमें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक, पैरालंपिक और यूथ ओलंपिक खेल शामिल है। इसे खेलों का महाकुंभ भी कहते हैं। ओलंपिक खेलों का इतिहास बहुत पुराना है। यूनान की राजधानी एथेंस में 1896 से ओलंपिक की शुरुआत हुई। उसी दौरान ओलंपिक पर्वत पर खेले जाने के कारण इसका नाम ओलंपिक पड़ा। पूरी दुनिया में ओलंपिक खेल मुख्यत चार प्रकार के होते हैं। इनमें ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक, पैरालंपिक और यूथ ओलंपिक खेल शामिल है। इसे खेलों का महाकुंभ भी कहते हैं। इसके अलावा ओलंपिक खेल में तीन तरह के मेडल खिलाड़ियों को दिए जाते हैं। जिनमें गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल होते हैं। इसके अलावा ओलंपिक के झंडे में 5 रिंक, नीले, डार्क पीले, काले, हरे और लाल रंग के होते हैं। जो पांच महाद्वीप अफ्रीका, एशिया, अमेरिका, यूरोप, ओशिनिया के आपस में जुड़े होने का प्रतीक हैं। इसे 1913 में पियरे डि कोबर्टिन ने डिजाइन किया था। ओलंपिक खेल क्या है? दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता को ओलंपिक खेल कहते हैं। जिसमें दुनियाभर के बेहतरीन एथलीट भाग लेते हैं और अपने–अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। ओलंपिक खेल हर चार साल में आयोजित होते हैं। ओलंपिक खेलों की इस समयावधि को ओलंपियाड कहते हैं। ओलंपिक खेलों की देखरेख प्ब यानी अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति करती है। जानकारी के मुताबिक ओलंपिक खेल पहली बार साल 1896 में ग्रीस की राजधानी एथेंस में आयोजित किया गया था। तब से ये खेल हर चार साल में आयोजित होते हैं। पहले विश्व युद्ध और दूसरे विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 और 1944 में इन खेलों का आयोजन नहीं हुआ था। ओलंपिक खेलों का उद्देश्य पियरे डे कोबर्टिन को ओलंपिक का जन्मदाता कहा जाता है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का गठन 23 जून 1894 को किया था। इसका मुख्यालय स्विटजरलैंड के लॉजेन में है। बता दें कि, ओलंपिक खेलों का उद्देश्य सम्मान, आपसी भाईचारा और मित्रत्रा है। साथ ही खेलों के माध्यम से विश्व शांति बनाए रखना है।

याददाश्त बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ रखने में मददगार हैं ये 5 जड़ी बूटियां

ऐसे कई लोग हैं, जो किसी न किसी कारणवश कई दिमागी समस्याओं से जूझ रहे हैं ।इनके कारण सोचने–समझने की शक्ति कमजोर हो जाती है और व्यक्ति का दिमाग असंतुलित हो जाता है ।हालांकि, आयुर्वेद चिकित्सा में लंबे समय से इस्तेमाल होने वाली कई जड़ी–बूटियां याददाश्त को बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ रखने में मदद कर सकती हैं। इसलिए इन्हें डाइट में शामिल करना अच्छा है ।आइए 5 सबसे लाभदायक जड़ी बूटियों के बारे में जानते हैं ।शंखपुष्पी को दूध में मिलाकर पिएंअगर आप अपना ज्यादातर समय लैपटॉप या फोन पर बिता देते हैं या लंबे समय तक पढ़ाई करते हैं तो इससे मानसिक रूप से थकान हो जाती है ।इससे आराम पाने के लिए शंखपुष्पी पाउडर को पानी या दूध के साथ मिलाकर पिएं ।इसमें याददाश्त बढ़ाने वाले और आराम देने वाले गुण होते हैं, जो आपके दिमाग की काम करने की क्षमता को बढ़ाते हैं ।साथ ही यह मानसिक थकान को दूर करके आपको सक्रिय भी रखती है ।गोटू कोला से होगा फायदागोटू कोला के बारे में शायद आप न जानते हो, लेकिन यह जड़ी–बूटी मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक साबित हो सकती है ।यह चिंता और तनाव के लक्षण और इनसे जुड़ी समस्याओं को धीरे–धीरे दूर करने में काफी मदद कर सकती है। इसका कारण है कि इसमें एंटी–स्ट्रेस और एंटी–डिप्रेशन गुण मौजूद होते हैं ।गोटू कोला में एंटी–एंग्जायटी गुण भी शामिल होता है, जो बेचैनी और व्याकुलता को कम कर सकते हैं ।यहां जानिए गोटू कोला के फायदे।

अश्वगंधा भी है प्रभावी अश्वगंधा के पाउडर का सेवन भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक माना जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 50 वयस्कों पर किए गए एक अध्ययन में याददाश्त, ध्यान, सोच, प्रतिक्रिया समय और सूचना–प्रक्रिया क्षमताओं में बड़े पैमाने पर सुधार देखा गया, जब उन्होंने 8 सप्ताह तक प्रतिदिन 600 मिलीग्राम अश्वगंधा अर्क का सेवन किया ।दरअसल, इस जड़ी बूटी में एडाप्टोजेनिक होता है, जो मानसिक तनाव को कम करके दिमाग को आराम देती है ।यहां जानिए अश्वगंधा के फायदे ।

अकरकरा का करें सेवन अकरकरा का इस्तेमाल लंबे समय से मानसिक स्वास्थ्य और संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली में सुधार के लिए किया जाता आ रहा है ।इसमें कुछ बायोएक्टिव छोटे अणु होते हैं, जो दिमाग के रसायनों को टूटने से रोकते हैं और याददाश्त, सोच, शांति, सतर्कता और ध्यान को बढ़ाते हैं ।विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि इस प्राकृतिक घटक ने अल्जाइमर और अन्य मानसिक स्थितियों वाले रोगियों की स्थिति में सुधार किया है ।जटामांसी भी है लाभदायक जड़ी बूटी जटामांसी भी एक प्रभावी मेमोरी बूस्टर के रूप में भी काम कर सकती है ।यह सीखने और संज्ञानात्मक कौशल में सुधार कर सकती है। साथ ही यह एक पुनर्स्थापना एजेंट के रूप में कार्य करती है और कमजोर याददाश्त से पीड़ित लोगों की मदद करती है ।लाभ के लिए जटामांसी के पाउडर को ब्राह्मी, अश्वगंधा और वाचा के साथ मिलाकर पानी के साथ निगलें ।

ऊनी कपड़ों की अच्छी से देखभाल के लिए अपनाएं ये 5 असरदार तरीके

सर्दी का मौसम शुरू हो गया है और अब लोगों ने ठंड से बचने के लिए ऊनी कपड़े भी निकालना शुरू कर दिया है ।हालांकि, ऊनी कपड़ों को एक साल बाद अलमारी से निकालने से उनमें से बदबू आने लगती है। साथ ही उनकी ठीक तरीके से देखभाल नहीं करने पर उनकी चमक भी फीकी हो जाती है ।आइये आज ऊनी कपड़ों की अच्छे से देखभाल और उनमें से आने वाली बदबू को दूर करने के असरदार तरीके जानते हैं ।

ऊनी कपड़ों को धूप में रखें

सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़ों से एक अजीब–सी बदबू आती रहती है। इसे दूर करने के लिए सबसे आसान तरीका है कि इन्हें धूप में रखा जाए ।इसके लिए सर्दी में जैसे ही धूप निकले वैसे ही अपनी अलमारी से ऊनी कपड़ों को निकालकर कुछ देर के लिए धूप में रख दें ।ऐसा करने से कपड़ों की बदबू अपने आप गायब हो जाएगी और कपड़े बैक्टीरिया मुक्त हो जाएंगे ।

बेकिंग सोडा का करें इस्तेमाल

ऊनी कपड़ों की बदबू से छुटकारा पाने और उन्हें सही स्थिति में रखने के लिए बेकिंग सोडा का भी इस्तेमाल किया जा सकता है ।जब आप कपड़ों को धूप में सूखा लें तो फिर बेकिंग सोडा को एक पोटली में बांधकर इन कपड़ों के बीच में रख दें ।इससे आपके ऊनी कपड़े बदबू रहित और बैक्टीरिया मुक्त रहेंगे ।ऊनी कपड़ों को खराब होने से बचाने के लिए इन तरीकों को अपनाएं ।एसेंशियल ऑयल भी है कारगर

ऊनी कपड़ों को खुशबूदार बनाए रखने के लिए एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप अपना कोई भी पसंदीदा एसेंशियल ऑयल चुन सकते हैं ।जब आप ऊनी कपड़े पानी में धोएं तो उसमें अच्छी खुशबू वाले एसेंशियल ऑयल की 4–5 बूंदें मिला लें ।इससे धोने के बाद भी आपके ऊनी कपड़ों में महक बरकरार और बदबू दूर रहेगी ।कपड़ों की अच्छी देखभाल के लिए इन हैक्स को भी आजमाएं ।

हाथों से धोएं ऊनी कपड़े

ऊन आमतौर पर गंध–प्रतिरोधी, क्रीज–प्रतिरोधी और दाग–प्रतिरोधी होती है, इसलिए ऊनी कपड़ों को कम धोना चाहिए ।इसके अलावा जब भी आप इन कपड़ों को धोएं, तब इन्हें वॉशिंग मशीन की बजाय अपने हाथों से ही धोएं ।इन्हें धोने के लिए विशेष रूप से सर्दियों के कपड़ों के लिए बनाए गए डिटर्जेंट का ही इस्तेमाल करें और धोने से पहले इन्हें 5 मिनट के लिए पानी में भिगो दें ।याद रखें कि इन कपड़ों को ठंडे पानी से ही धोना है ।

लिंट रिमूवर ब्रश का करें इस्तेमाल

सर्दियों में ऊनी कपड़ों और कोट को अच्छी स्थिति में रखने के लिए उनकी सही देखभाल करना बहुत जरूरी है, लेकिन कई बार इन कपड़ों में रोएं आ जाते हैं और धूल जम जाती है ।इसके लिए आप लिंट रिमूवर ब्रश का इस्तेमाल करें। किसी भी ऊनी कपड़े या कोट को पहनने से पहले और बाद में उसे लिंट रिमूवर ब्रश से साफ करें ताकि उसकी चमक बनी रहें और वह नया दिखे।

वर्ल्डवाइड 100 करोड़ से ज्यादा की ओपनिंग करेगी रणबीर कपूर की एनिमल! शाहरुख की पठान-जवान को देगी मात?

रणबीर कपूर और बॉबी देओल स्टारर एनिमल सिनेमाघरों में रिलीज से बस एक दिन दूर है. फिल्म का क्रेज सातवें आसमान पर है. जब सेएनिमलय का टीजर और फिर ट्रेलर रिलीज हुआ फैंस इसे देखने के लिए बेताब हो गए. ट्रेलर ने साबित कर दिया है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाने वाली है. वहीं जिस तरह से श्एनिमलय की बंपर एडवांस बुकिंग हो रही है उसे देखते हुए ऐसा लग रहा है कि ये फिल्म वर्ल्ड वाइड पहले दिन 100 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लेगी. संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमलय की पहले दिन के लिए बंपर एडवांस बुकिंग हुई है. आंकड़ों की मानें तो फिल्म के फर्स्ट डे के लिए देश भर में 7 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं और ये रिलीज से पहले ही 20 करोड़ के करीब का कलेक्शन भी कर चुकी है. एडवांस बुकिंग ट्रेंड को देखते हुए, गैंगस्टर एक्शन ड्रामा फिल्म दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ की कमाई के साथ ओपनिंग करने वाली तीसरी बॉलीवुड फिल्म बनने के लिए तैयार है.बता दें कि भारत में, एनिमल की एडवांस बुकिंग शाहरुख खान की पठान को टक्कर दे रही है. शाहरुख खान की पठान ने इस जनवरी में 68 करोड़ की कमाई के साथ ओपनिंग की थी. रिपोर्ट के मुताबिक एनिमल के ओरिजनल हिंदी वर्जन में 50–60 करोड़ की कमाई करने की उम्मीद है और डब किए गए तेलुगु संस्करण में 10 करोड़ की कमाई करने की संभावना है. फिल्म की कुल घरेलू ओपनिंग 65 करोड़ होने का अनुमान है. दिलचस्प बात ये है कि एडल्ट रेटिंग के बावजूद, फिल्म की पहले दिन की ये संभावित कमाई बेहद शानदार है.रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी बॉक्स ऑफिस पर, एनिमल के पहले दिन +5 मिलियन – +6 मिलियन यानी 41 से 50 करोड़ की कमाई करने का अनुमान है, जिसमें उत्तरी अमेरिका में प्रीमियर भी शामिल यानी की एनिमल पहले दिन दुनिया भर में लगभग 100–115 करोड़ की कमाई कर सकती है. इससे पहले 105 करोड़ के साथ पठान और 129 करोड़ के साथ जवान दुनिया भर में 100 करोड़ के साथ ओपनिंग करने वाली साल 2023 की दो फिल्में हैं.बता दें कि संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी श्एनिमलय में रणबीर कपूर के अलावा रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, बॉबी देओल और शक्ति कपूर सहित कई कालाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. फिल्म सिनेमाघरों में एक दिसंबर को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज होगी.

कांतारा चौप्टर 1 की अनाउंसमेंट वीडियो ने पूरे देश में मचाई धूम, सिर्फ 24 घंटों में इसे मिले 12 मिलियन व्यूज

ऋषभ शेट्टी एक बार फिर बड़े पर्दे पर तहलका मचाने के लिए तैयार है. हाल ही में उन्होंने कांतरा चौप्टर 1 की अनाउंसमेंट की है. इस घोषणा के साथ उन्होंने फिल्म का एक टीजर भी जारी किया था.वहीं इस टीजर के सामने आने के बाद फैंस खुशी से धूम उठे हैं. फिल्म का दमदार टीजर देखने के बाद चारों तरफ तहलका मचा गया है. फिल्म के फर्स्ट–लुक पोस्टर और टीजर ने पूरे देश में धूम मचा दी है. फिल्म को लेकर फैंस के बीच जोरदार चर्चा हो रही है. वहीं रिलीज के 24 घंटों के भीतर टीजर को 12 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं. इस खबर को होम्बले फिल्म्स ने शेयर करते हुए लिखा, 12 मिलियन व्यूज और गिनती जारी है. कांतारा टीजर का जादू अब दर्शकों के दिलों को आकर्षिक कर रहा है. टीजर में ऋषभ शेट्टी की दमदार और डरावनी झलक देखने को मिल रही है. वहीं वीडियो की शुरुआत प्रसिद्ध दहाड़ से होती है, जो पहली फिल्म में भी सुना गया था. इसके साथ ही इसका फ्यूचर और पास्ट से कनेक्शन दिखाते हैं.वहीं बैकग्राउंड में एक खूंखार म्यूजिक भी सुनाई दे रहा है. टीजर को देखने के बाद किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे. वहीं पहले पार्ट के बाद फिल्म के अगले पार्ट का भी फैंस को बेसब्री से इंतजार है. वहीं कांतारा चौप्टर 1 के अगले साल 7 भाषाओं कांतारा चौप्टर–1 को हिंदी और कन्नड़ सहित तमिल, तेलुगु, मलयालम, इंग्लिश और बंगाली भाषा में रिलीज होगी इसकी शूटिंग दिसंबर के अंत में शुरू होगी. फिलहाल फिल्म के कलाकारों का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन फिल्म का पहला लुक असाधारण कहानी से भरी एक समानांतर दुनिया की यात्रा को दर्शाता है.

काले रंग की ड्रेस में भोजपुरी हीरोइन नेहा मलिक ने गिराई बिजलियां, लुक पर फैंस फिदा

जब–जब भोजपुरी हसीनाओं का नाम लिया जाता है तो उसमें एक्ट्रेस नेहा मलिक का नाम जरूर आता है. नेहा मलिक अपने प्रोजेक्ट्स के साथ–साथ अपनी कातिलाना अदाओं के लिए इंटरनेट पर बवाल मचाए रहती हैं. जैसे ही वह अपनी कोई भी फोटो या वीडियो शेयर करती हैं, वैसे ही इंटरनेट का पर हाई हो जाता है. नेहा मलिक के चाहने वाले उनकी तस्वीरें देखने के लिए बेताब बैठे रहते हैं. हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर कर दी हैं, जिन्हें देखने के बाद लोगों के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं और रातों की नींद उड़ गई हैं. नेहा मलिक की ये तस्वीरें इतनी ज्यादा अट्रैक्टिव हैं कि उन पर मिनट में ही लाइक्स और कमेंट की बहार आ गई है. नेहा मलिक के इस लेटेस्ट लुक को देखकर के लोग उन पर फिदा हुए जा रहे हैं और लोग कह रहे हैं कि ऐसा लग रहा है कि आसमान से अप्सरा उतर कर आ गई है. नेहा मलिक की लेटेस्ट तस्वीरें इतनी ज्यादा खूबसूरत हैं कि उन्हें देखकर लोगों के दिलों पर सांप लोटे जा रहे हैं. नेहा मलिक ने अपनी कातिलाना तस्वीरों को खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है, जिसमें उनका ऑल ब्लैक लुक लोगों के दिलों को धड़का रहा है. उनकी ये फोटोस बहुत ही ज्यादा प्यारी लग रही हैं. शेयर की गई तस्वीरों में नेहा मलिक ने एक से बढ़कर एक दिल धड़कने वाले पोज दिए हैं, वहीं, हाई हील्स में तो उनका स्टाइल और भी ज्यादा ग्लैमरस लग रहा है. बता दें कि यह कोई पहला मौका नहीं है, जब नेहा मलिक ने अपनी तस्वीरों से बवाल मचाया है. इससे पहले भी वह अपनी एक से बढ़कर एक ग्लैमरस और सिजलिंग अदाओं से लोगों के दिलों में छुरियां चलाती रहती हैं. नेहा मलिक के लिए उनके चाहने वालों की दीवानगी इतनी ज्यादा है कि लोग उनके सोशल अकाउंट्स पर नजरें गड़ाए बैठे रहते हैं. जैसे ही वह कोई पोस्ट करती हैं, वैसे ही लोग उन पर कमेंट्स और लाइक करना शुरू कर देते हैं. नेहा मलिक ने इन तस्वीरों में ब्लैक रंग की शॉर्ट ड्रेस कर रखी है और काले रंग का चश्मा लगा रखा है. लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने काले रंग की हील्स पहन रखी हैं. इससे वह काफी ज्यादा सिजलिंग नजर आ रही हैं. बता दें कि कई लोग तो नेहा मलिक को भोजपुरी सिनेमा की उर्फी जावेद भी कहते हैं.

पंकज त्रिपाठी की मैं अटल हूं की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, नई झलकियां आईं सामने

भानुशाली प्रोडेक्शन की पहली बायोपिक सिर्फ एक बंदा काफी है से हिंदी सिनेमा में धूम मचाने वाले निर्माता विनोद भानुशाली अपनी अगली बायोपिक मैं अटल हूं के साथ वापसी कर रहे हैं. फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है. देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के जीवन पर बनी इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी ने लीड रोल में हैं. इसके साथ उन्होंने नई झलकियां साझा की हैं। फिल्म से पंकज त्रिपाठी का पहला लुक सामने आने के बाद से ही फिल्म मैं अटल हूं चर्चा में है. इस फिल्म को रवि जाधव ने निर्देशित किया है और इसे रवि ने ही ऋषि विरमानी के साथ मिलकर लिखा है. फिल्म के निर्माता विनोद भानुशाली की पिछली फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है राजस्थान के वकील पी सी सोलंकी पर बेस्ड थी, जिसमें उन्होंने आसाराम बापू को सजा दिलाई थी. फिल्म 19 जनवरी 2024 को रिलीज होगी. इस साल के फिल्मफेयर ओटीटी पुरस्कारों में सबसे ज्यादा पांच पुरस्कार जीतने वाली फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी हैच ने हर किसी का दिल जीत लिया. अब निर्माता विनोद भानुशाली अटल बिहारी वाजपेयी की बायोपिक से फिर धूम मचाएंगे. भानुशाली ने तय कर लिया था कि अगर ये फिल्म पंकज त्रिपाठी नहीं करेंगे तो वह यह फिल्म बनाएंगे ही नहीं.

रिपोर्ट के मुताबिक भानुशाली स्टूडियोज के पास बायोपिक फिल्मों की एक लंबी लिस्ट है, जिसमें

से शेर सिंह राणा की बायोपिक का ऐलान हो चुका है. इसके अलावा कम से कम चार और बायोपिक पर भानुशाली स्टूडियोज की क्रिएटिव टीम काम कर रही है।

ये रिश्ता क्या कहलाता है में शामिल होने पर समृद्धि शुक्ला ने कहा– सभी सितारे एक साथ आ गए हैं

ये रिश्ता क्या कहलाता है में लीप के बाद एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला अभीरा के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल को पाने की खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है जैसे लगता है कि कोई भी होगा। यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में सपने देखे जाते हैं, एक परफेक्ट चौनल, एक परफेक्ट प्रोडक्शन हाउस, एक परफेक्ट शो, सब कुछ ऐसा है जैसे सभी सितारे एक साथ आ गए हैं और यह सबसे अच्छी चीज, सबसे अच्छा मौका और सबसे अच्छा ग्राउंड है जिसे कोई भी मांग सकता है। यह शो 15 साल से चल रहा है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। यह बेहद कम देखने को मिलता है और खासकर, आज के समय में, अधिकांश शो ऐसा नहीं करते हैं, वे मुश्किल से 100 एपिसोड पूरे करते हैं। हमारे पास ये रिश्ता क्या कहलाता है जैसा शो है जिसने 4000 से ज्यादा एपिसोड पूरे किए, यह एक बड़ी बात है। अपनी भूमिका के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, अभीरा उन सभी चीजों से बहुत अलग है जो मैंने पहले की हैं। इसके लिए बहुत अधिक सहजता, ऊर्जा की आवश्यकता होती है और वह वाइब्रेंट है, एनर्जी से भरपूर है और बहुत इमोशनल है। वह कुछ भी कह देती है, जिसका एहसास उसे बाद में होता है। वह पहले बोलती है और बाद में सोचती है, वह उस तरह की इंसान है। वह ऐसी इंसान है जो हमेशा सही के लिए खड़ी रहती है, चाहे कितनी भी मुश्किल क्यों न हो, चाहे उनके सामने कोई भी हो, वह कभी भी इससे शर्माती नहीं है। वह जिस चीज में विश्वास करती है उस पर कायम रहती है।

सभी सितारे एक साथ आ गए हैं। यह एक परफेक्ट शो और एक परफेक्ट प्रोडक्शन हाउस है। शो का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए, समृद्धि ने कहा, मैं बहुत खुश हूं और मुझे

सिनेमाघर में नहीं, नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी फिल्म खो गए हम कहांय रिलीज तारीख आई सामने

सिद्धांत चतुर्वेदी, आदर्श गौरव और अनन्या पांडे की आने वाली फिल्म खो गए हम कहां की रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। यह फिल्म सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जा रही है। फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी किया गया है। खो गए हम कहां को अर्जुन वरैन सिंह ने डायरेक्ट किया है, जबकि अर्जुन के साथ जोया अख्तर और रीमा कागती ने फिल्म का लेखन किया है। खो गए हम कहां का निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट बैनर के तले रितेश सिधवानी, जोया अख्तर, रीमा कागती और फरहान अख्तर ने किया है। यह उम्र के तीसरे दशक में चल रहे इमाद (सिद्धांत चतुर्वेदी), अहाना (अनन्या पांडे) और नील (आदर्श गौरव) के बीच दोस्ती की कहानी है।

खो गए हम कहां 26 दिसंबर को नेटफिलक्स पर रिलीज की जाएगी। प्लेटफॉर्म ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी।

फिल्म को लेकर जोया अख्तर और रीमा कागती कहती हैं– खो गए हम कहां हमारे दिलों में एक खास स्थान रखती है। अर्जुन के साथ इस कहानी को लिखने और जुडने की प्रक्रिया रोमांचक थी। यह डिजिटल जनरेशन की आने वाली फिल्म है, जिससे उम्मीद है कि यह युवाओं को पसंद आएगी।

नेटफिलक्स इंडिया ओरिजिनल फिल्म्स की डायरेक्टर रुचिका कपूर शेख ने फिल्म के बारे में कहा, सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या पांडे और आदर्श गौरव अभिनीत यह फिल्म दिल को छू लेने वाली कहानी है, जो पुराने जमाने की दोस्ती की भावनाओं पर आधारित है। इससे पहले 7 दिसम्बर को जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज भी नेटफिलक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म से शाह रुख खान की बेटी सुहाना खान, अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और बोनी–श्रीदेवी कपूर की बेटी खुशी कपूर बॉलीवुड डेब्यू कर रहे हैं। यह पीरियड फिल्म है, जिसकी कहानी की प्रेरणा आर्चीज कॉमिक्स से ली गयी है।

वेब सीरीज द रेलवे मेन का गाना निंदिया जारी, आयुष्मान खुराना ने दी अपनी आवाज

आर माधवन ने अपनी पहली वेब सीरीज द रेलवे मेन को 18 नवंबर को नेटफ्लिक्स के जरिए दर्शकों के सामने पेश किया था। इसमें केके मेनन, दिव्येंदु शर्मा और बाबिल खान भी मुख्य भूमिकाओं में हैं और सभी कलाकारों ने अपने अभिनय से लोग के दिलों में गहरी छाप छोड़ी है। अब द रेलवे मेन का पहला गाना निंदिया रिलीज हो चुका है, जिसे आयुष्मान खुराना ने अपनी आवाज दी है।इस गाने के बोल कौसर मनीर ने लिखे हैं। आयुष्मान

नंदमुरी बालकृष्ण, बाबी कोल्ली, सीथारा एंटरटेनमेंट्स की एनबीके 109 की शूटिंग शुरू!

नंदमुरी बालकृष्ण अपने 49 वर्षों के शानदार करियर में एक्शन मनोरंजन और बड़ी ब्लॉकबस्टर सफलताओं का पर्याय बन गए हैं। उन्होंने अपने खास अंदाज में लार्जर दैन लाइफ और यादगार किरदारों को बड़े पर्दे पर जीवंत कर दिया। जब भी वह स्क्रीन पर दहाड़ते हैं तो बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड टूट जाते हैं जो लंबे समय तक याद रहेंगे। अब, नंदमुरी बालकृष्ण ब्लॉकबस्टर निर्देशक बॉबी कोल्ली के निर्देशन में एक और बड़ी एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं।सीथारा एंटरटेनमेंट्स, जो हाल के वर्षों में तेलुगु सिनेमा का सबसे व्यस्त प्रोडक्शन हाउस रहा है, ने इस एक्शन तमाशा को बड़े पैमाने पर बनाने का फैसला किया है।बॉबी कोल्ली, अपने शानदार दृश्यों और अपने मुख्य अभिनेताओं की भव्य प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं। वह मुख्य भूमिका में नंदामुरी बालकृष्ण के साथ रक्त स्नान का वादा कर रहे हैं।एक रचनात्मक पोस्टर में, उन्होंने भगवान हनुमान ताबीज या तावीज का प्रदर्शन किया जिसमें भगवान नरसिम्हा को दानव या असुरों पर हमला करते हुए दर्शाया गया था! पोस्टर के साथ निर्माताओं ने घोषणा की है कि एनबीके 109 की शूटिंग शुरू हो गई है। पोस्टर क्रिएटिविटी ही पहले से ही बेसब्री से प्रतीक्षित कॉम्बिनेशन के लिए चर्चा बढ़ा रही है। मूवी का शीर्षक फिलहाल प्त एनबीके 109 रखा गया है।

सूर्यदेवरा नागा वामसी और साई सौजन्या क्रमशरू सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज पर फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म को श्रीकारा स्टूडियो प्रस्तुत कर रहा है।

छोटे कपड़े पहनना छोड़ देंगी उर्फी जावेद एक्ट्रेस बताया आखिर क्यों पहनने लगी है सूट–सलवार

टीवी एक्ट्रेस और मॉडल उर्फी जावेद के वीडियोज और फोटोज अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। उर्फी जावेद को वीडियोज और फोटोज पर लोग कमेंट भी खूब करते हैं। अब उर्फी जावेद एक बार फिर कैमरे में कैद हुई हैं और उनके फोटोज और वीडियोज सामने आए हैं। टीवी एक्ट्रेस और मॉडल उर्फी जावेद के वीडियोज और फोटोज अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। उर्फी जावेद को वीडियोज और फोटोज पर लोग कमेंट भी खूब करते हैं। अब उर्फी जावेद एक बार फिर कैमरे में कैद हुई हैं और उनके फोटोज का एक बार फिर ध्यान खींचा है। टी–सीरीज के मालिक भूषण कुमार को बड़ी राहत देते हुए मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने मुंबई पुलिस द्वारा दायर श्बी समरी रिपोर्टश को स्वीकार कर लिया है, जिसके द्वारा वे उनके खिलाफ बलात्कार और धोखाधड़ी के लिए दर्ज एफआईआर को बंद करने की मांग कर रहे थे। अंधेरी मजिस्ट्रेट अदालत ने 9 नवंबर, 2023 को रिपोर्ट स्वीकार कर ली, जिससे कुमार के खिलाफ एफआईआर समाप्त हो गई है। विशेष रूप से, श्बी समरीश रिपोर्ट तब दायर की जाती है जब पुलिस मामले को दुर्भावनापूर्ण रूप से झूठा करार या प्रथम दृष्टया मामला नहीं होता है। अभिनेता और टेलीविजन होस्ट कपिल शर्मा अपने हालिया के प्रति अपनी निराशा व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया, जिसमें काफी देरी और एक आश्चर्यजनक बहाना बताया गया कि पायलट ट्रैफिक में फंस गया था। उन्होंने देरी से प्रस्थान पर अपना असंतोष व्यक्त किया और एयरलाइन की विश्वसनीयता के बारे में चिंता व्यक्त की। कपिल शर्मा ने एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर लिखा, श्प्रिय इंडिगो, पहले आपने हमें 50 मिनट तक बस में इंतजार कराया और अब आपकी टीम कह रही है कि पायलट ट्रैफिक में फंस गया है। क्या? वास्तव में? हमें बस से उड़ान भरनी थी।श रात के 8 बजे हैं और 9रू20 बज चुके

पांचवीं बार गुढ़ की जनता ने विधायक नागेंद्र सिंह के माथे पर लगाया जीत के आशीर्वाद का तिलक, विकास की अभूतपूर्व जीत पर उत्साह, उमंग व हर्ष के साथ निकाला गया विजय जुलूस

पुष्पांजली टुडे

रीवा। गुढ़ विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी नागेंद्र सिंह को जनता ने 68715 मत देकर विजई बनाया है। नागेन्द्र सिंह 41.62 प्रतिशत मत हासिल करके पांचवीं बार गुढ़ से विधायक बने। इस अभूतपूर्व जीत पर विधायक नागेंद्र सिंह ने गुढ़ की तमाम जनता जनार्दन का आभार जताने के लिए अपने निज निवास रीवा से 8ः30 बजे आभार प्रदर्शन एवं विजय जुलूस प्रारंभ कर डिहिया, अमिलकी, गोविंदगढ़ नगर भ्रमण करते हुए हुए बांसा, गहीरा , मड़वा , टीकर , चुआ , धुरेहटी ,कनौजा , खजुहा , महसांव, भौरों बाबा मंदिर , गुढ़, कष्टहर

नाथ मंदिर, चंदेहरी, मढ़िया, खैरा, गोरगांव, बरेही, रायपुर कर्चुलियान भ्रमण कर , रामनई, चोरगड़ी ,कोस्टा, जिउला होते हुए निज निवास पर विजय जुलूस का समापन किया। विजय जुलूस व आभार प्रदर्शन के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गोविंदगढ़ से नगर परिषद अध्यक्ष कुंवर अभिषेक सिंह, मीडिया प्रभारी नरेंद्र बुधौलिया, वरिष्ठ नेता मुनिराज पटेल, गुढ़ विधानसभा संयोजक विशंभर पटेल, गोविंदगढ़ मंडल अध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी, गुढ़ मंडल अध्यक्ष कपूर चंद्र सोनी, रायपुर कर्चुलियान मंडल अध्यक्ष उपेंद्र सिंह परिहार, अरविंद सिंह पप्पू, पुष्पराज मिश्रा, रामायण सिंह, आशुतोष शुक्ला व भाजपा पदाधिकारी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुढ़ कष्टहर नाथ की नगरी मे प्रत्येक वर्षो की भांति इस वर्ष भी चल रही समइया राजन गर्ग निवास मे संपन्न हुई

स्वर्गीय महाराजा रघुराज सिंह जू देव द्वारा लिखित पुस्तक भक्तमाल में उत्तर चरित्र में इसका वर्णन है

पुष्पांजली टुडे

गुढ़। गुढ़ कष्टहर नाथ की नगरी मे संवत 1862 के पूर्व से चली आ रही समइया कार्यक्रम का विगत 3/12/023 को भाव्य रुप से सम्पंन्न किया गया। जिसका वर्णन स्वर्गीय महाराजा रघुराज सिंह जू देव द्वारा लिखित पुस्तक भक्तमाल के उत्तर चरित्र मे किया गया है। श्री सेवकराम गर्ग को भगवान श्री राम के दर्शन हुए थे। जिसका प्रमाण आज भी शिला (पत्थर) के रूप मे मौजूद है। इसका वर्णन वैकुण्ठ वासी संत स्वामी श्री रामहर्षण दास जी

ने भी अपनी लिखित पुस्तक प्रेम वल्लरी मे किया है। गर्ग परिवार आज भी इस परंपरा का निर्वाह पूर्ण निष्ठा और भाव के साथ करता आ रहा है। विगत वर्षो की तरह इस वर्ष भी राजू गर्ग और रामू गर्ग द्वारा समइया का आयोजन परंपरागत रूप से किया गया। उक्त समइया कार्यक्रम एवं भगवान श्री राम जानकी के दर्शन करने नगर ही नही बल्कि गुढ क्षेत्र के कोने कोने से लोग पहुंचे व समइया कार्यक्रम का भरपूर आनन्द लिए और बिदाई समारोह में सभी ने भगवान श्री राम जी का प्रसाद ग्रहण किए।

मध्यप्रदेश के रीवा जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव परिणाम घोषित

विधानसभा चुनाव में भाजपा को सात, कांग्रेस को एक सीट पर मिली सफलता

पुष्पांजली टुडे

रीवा।विधानसभा चुनाव 2023 की मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच इंजीनियरिंग कालेज में संपन्न हुई। प्रातः 7 बजे उम्मीदवारों तथा प्रेक्षकों की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम खोले गए। सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों में अलग-अलग प्रेक्षक तैनात रहे। प्रातः 8 बजे निर्धारित कक्षों में सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना आरंभ हुई। सबसे पहले रिटर्निंग आफीसर की टेबिल में डाक मतपत्रों की गणना की गई। प्रातः 8.30 बजे से ईव्हीएम से मतगणना आरंभ हुई। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 14-14 टेबिलों में चक्रवार मतगणना की गई। प्रत्येक चक्र की मतगणना के बाद इनकोर पोर्टल पर उम्मीदवारों को प्राप्त मतों की जानकारी ऑनलाइन दर्ज की गई। मीडिया सेंटर तथा कम्युनिकेशन सेंटर से मतगणना के संबंध में अद्यतन जानकारी लगातार उपलब्ध कराई गई। ईव्हीएम की मतगणना पूरी होने के बाद पाँच मतदान केन्द्रों की व्हीव्हीपैट मशीनों की पर्ची का मिलान मतगणना से किया गया। प्रेक्षकों द्वारा चुनाव परिणामों की अनुसंशा करने के बाद रिटर्निंग आफीसरों ने विधानसभा चुनाव परिणामों की घोषणा की तथा विजयी उम्मीदवारों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किए।

जीते प्रत्याशी मतगणना

1- रीवा - मऊगंज जिला की विधानसभा क्षेत्र देवतालाब के भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार श्री गिरीश गौतम निर्वाचित घोषित किए गए हैं। श्री गौतम ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी इंडियन नेशनल कांग्रेस के श्री पदमेश गौतम को 24386 मतों के अंतर से पराजित किया। निर्वाचित घोषित श्री गौतम को कुल 63722 मत प्राप्त हुए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी को 39336 मत प्राप्त हुए। विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर बीके पाण्डेय ने निर्वाचित श्री गौतम को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया।

2- रीवा - मऊगंज जिला विधानसभा क्षेत्र गु? से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार श्री नागेन्द्र सिंह निर्वाचित घोषित किए गए हैं। श्री सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी इंडियन नेशनल कांग्रेस के श्री कपिध्वज सिंह को 2493 मतों के अंतर से पराजित किया। निर्वाचित घोषित श्री सिंह को कुल 68715 मत प्राप्त हुए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी को 66222 मत प्राप्त हुए। विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर संजय जैन ने निर्वाचित श्री सिंह को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया।

3- रीवा- मऊगंज - जिला विधानसभा क्षेत्र त्योंथर से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार श्री सिद्धार्थ तिवारी राज निर्वाचित घोषित किए गए हैं। श्री तिवारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी इंडियन नेशनल कांग्रेस के श्री रमाशंकर सिंह को 4746 मतों के अंतर से पराजित किया। निर्वाचित घोषित श्री तिवारी को कुल 61082 मत प्राप्त हुए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी श्री सिंह को 56336 मत प्राप्त हुए। विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर पीके पाण्डेय ने निर्वाचित श्री तिवारी को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया।

4 - रीवा- मऊगंज - जिला विधानसभा क्षेत्र मनगवां से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति निर्वाचित घोषित किए गए हैं। श्री प्रजापति ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी इंडियन नेशनल कांग्रेस की श्रीमती बबिता साकेत को 31912 मतों के अंतर से पराजित किया। निर्वाचित घोषित श्री प्रजापति को कुल 78754 मत प्राप्त हुए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी को श्रीमती साकेत को 46842 मत प्राप्त हुए। विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर पीएस त्रिपाठी ने निर्वाचित श्री प्रजापति को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया।

5 - रीवा- मऊगंज - जिला विधानसभा क्षेत्र सिरमौर से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार श्री दिव्यराज सिंह निर्वाचित घोषित किए गए हैं। श्री सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 13790 मतों के अंतर से पराजित किया। निर्वाचित घोषित श्री सिंह को कुल 54875 मत प्राप्त हुए। जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी को बसपा के उम्मीदवार व्हीडी पाण्डेय को 41085 मत प्राप्त हुए। विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर भारती मेरावी ने निर्वाचित श्री सिंह को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया।

6 - रीवा- मऊगंज - जिला विधानसभा क्षेत्र मऊगंज से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार श्री प्रदीप पटेल निर्वाचित घोषित किए गए हैं। श्री पटेल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 7174 मतों के अंतर से पराजित किया। निर्वाचित घोषित श्री पटेल को कुल 70119 मत प्राप्त हुए।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 9 दिसम्बर को

नेशनल लोक अदालत में 44 खण्डपीठों में होगी प्रकरणों की सुनवाई

पुष्पांजली टुडे

रीवा। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुबोध कुमार जैन के मार्गदर्शन में 9 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आपसी सुलह से प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। प्रकरणों की सुनवाई के लिए 44 खण्डपीठें गठित की गयी हैं। इनमें पीठासीन अधिकारी तथा सहयोग देने के लिए सुलहकर्ता सदस्य तैनात किये गये हैं। जिला न्यायालय परिसर रीवा के साथ-साथ तहसील न्यायालय सिरमौर, त्योंथर, मऊगंज एवं हनुमना में भी लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। जिला न्यायालय में 29 पीठ, तहसील विधिक सेवा समिति मऊगंज में 5 खण्डपीठ, सिरमौर में 5 खण्डपीठ, त्योंथर में 3 खण्डपीठ एवं तहसील विधिक सेवा समिति हनुमना में 2 खण्डपीठ गठित की गयी हैं। लोक अदालत के दीवानी, फौजदारी, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति (क्लेम), 138 चेक बाउंस, विद्युत, श्रम, भू-अर्जन, नगर पालिका निगम, प्री लिटिगेशन प्रकरण निराकरण के लिए रखे जायेगें।नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए खण्ड पीठ क्रमांक एक में विशेष न्यायाधीश श्री सुरेन्द्र कुमार, खण्डपीठ क्रमांक 2 में जिला न्यायाधीश श्री विक्रम सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 3 में जिला न्यायाधीश श्री रमेश रंजन चौबे, खण्डपीठ क्रमांक 4 में जिला न्यायाधीश श्री देवेन्द्र सिंह पाल, खण्डपीठ क्रमांक 5 में जिला न्यायाधीश श्रीमती पदमा जाटव, खण्डपीठ क्रमांक 6 में जिला न्यायाधीश श्री केशव सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 7 में जिला न्यायाधीश श्री आनंद गौतम तथा खण्डपीठ क्रमांक 8 में जिला न्यायाधीश श्री प्रवीण पटेल को तैनात किया गया है। इसी तरह खण्डपीठ क्रमांक 9 में जिला न्यायाधीश दिलीप सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 10 में न्यायाधीश श्री विवेकानंद त्रिवेदी, खण्डपीठ 11 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री रूपसिंह कनेल, खण्डपीठ 12 में न्यायाधीश श्रीमती प्रीतिशिखा अग्निहोत्री प्रकरणों की सुनवाई करेंगी।इसी प्रकार खण्डपीठ 13 में न्यायाधीश श्री देवदत्त, खण्डपीठ 14 में न्यायाधीश श्री अक्षत तयाल, खण्डपीठ 15 में न्यायाधीश श्रीमती पद्मिनी सिंह, खण्डपीठ 16 में न्यायाधीश श्री सचिन साहू, खण्डपीठ 17 में न्यायाधीश श्री ललित कुमार मई?ा, खण्डपीठ 18 में न्यायाधीश सुश्री अंजली अग्रवाल, खण्डपीठ 19 में न्यायाधीश श्री अमित सिंह धुर्वे, खण्डपीठ 20 में सुश्री अदिति अग्रवाल, खण्डपीठ 21 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश सुश्री स्वाती रघुवंशी, खण्डपीठ क्रमांक 22 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश सुश्री चेतना झारिया, खण्डपीठ 23 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश श्री संजीव रहंगडाले, खण्डपीठ 24 में न्यायाधीश श्रीमती मीनल गजवीर, खण्डपीठ 25 में न्यायाधीश श्री अजय कुमार नागेश प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। खण्डपीठ क्रमांक 26 कुटुम्ब न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश श्री शिवकांत, खण्डपीठ 27 में अध्यक्ष जिला उपभोक्ता परिषद श्री सुदीप कुमार श्रीवास्तव, खण्डपीठ 28 औद्योगिक न्यायालय में न्यायाधीश श्री केके मिश्रा तथा खण्डपीठ 29 श्रम न्यायालय में श्री अमित नगाइच स्वयं के न्यायालय के प्रकरणों की सुनवाई करेंगे।मऊगंज न्यायालय परिसर में खण्डपीठ 30 में प्रथम जिला न्यायाधीश श्री आदेश कुमार जैन, खण्डपीठ क्रमांक 31 में व्यवहार न्यायाधीश श्री साजिद मोहम्मद, खण्डपीठ 32 में व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती गीता उइके, खण्डपीठ 33 में व्यवहार न्यायाधीश श्री राहुल कुमार नामदेव तथा खण्डपीठ 34 में न्यायाधीश श्री आशीष मिश्रा प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। तहसील न्यायालय परिसर सिरमौर में खण्डपीठ क्रमांक 35 में अपर जिला न्यायाधीश संतोष चौहान, खण्डपीठ क्रमांक 36 में अपर जिला न्यायाधीश श्री संजय वर्मा, खण्डपीठ क्रमांक 37 में व्यवहार न्यायाधीश श्री हीरालाल अलावा, खण्डपीठ क्रमांक 38 में व्यवहार न्यायाधीश श्री अमित कुमार शर्मा तथा खण्डपीठ क्रमांक 39 में व्यवहार न्यायाधीश श्री अल्तमश रहमान प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। तहसील न्यायालय परिसर त्योंथर में खण्डपीठ क्रमांक 40 में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री योगराज उपाध्याय, खण्डपीठ क्रमांक 41 में व्यवहार न्यायाधीश सुश्री वंदना सोनी तथा खण्डपीठ क्रमांक 42 में व्यवहार न्यायाधीश सुश्री मोहिनी भदौरिया प्रकरणों की सुनवाई करेंगी। तहसील न्यायालय परिसर हनुमना में खण्डपीठ क्रमांक 43 में न्यायाधीश श्री विनोद कुमार चौधरी तथा खण्डपीठ 44 में न्यायाधीश श्रीमती कीर्ति दुबे प्रकरणों की सुनवाई करेंगी।

प्रचार रथ को रवाना किया

पुष्पांजली टुडे

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री सुबोध कुमार जैन के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में आगामी 9 दिसंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु सुदूर ग्रामीण अंचलों में प्रचार प्रसार करने हेतु विशेष न्यायाधीश श्री सुरेन्द्र कुमार ने हरी झण्डी दिखाकर प्रचार रथ को रवाना किया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अहमद रजा, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा, पैरालीगल वालेटियर श्री रमेश कुशवाहा तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बिंदाबनी पंचायत में आपकी योजना सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में पोहचे जिले के उपायुक्त द्वारा सरकार के जनकल्याणकरी की दी विस्तार से जानकारी।

रानीश्वर दुमका। शनीवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का संचालन पूरे जिले में किया जा रहा है। उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने रानीश्वर प्रखंड के वृंदावनी पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में शिविर का निरीक्षण किया गया। अभियान के तहत अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप, वनाधिकार पट्टा, साईकिल वितरण, आय, जन्म, मृत्यु, जाति, आवासीय प्रमाण आदि के अलावा दिव्यांगता प्रमाण पत्र, भूमि से संबंधित मामलों का निपटारा, आयुष्मान कार्ड, सोना सोबरन धोती-सा?ी योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सर्वजन पेंशन योजना, किसान क्रिडेट कार्ड एवं स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल लगाए जा रहे है।

सहजयोग सत्य के साधकों की मंजिल है

सहज योग यह शब्द सुनकर सभी के मन में यह सवाल उठता है, कि सहज योग क्यों करना चाहिए? पहले से ही कई सारे योगों से मनुष्य परिचित है ऐसे में सहज योग में क्या नया है या क्या भिन्नता है, यह बात अक्सर सामने आती है और ये आवश्यक भी है। भारत में लगभग 90त्न घरों में हर रोज किसी ना किसी रूप में परमपिता परमात्मा की आराधना होती है। अधिकांश व्यक्ति व्रत - उपवास करते हैं, दान करते हैं, मंदिरों में दर्शन करते हैं, तीर्थ यात्राओं पर जाते हैं, भजन कीर्तन करते हैं और अन्य भी कई तरह से ईश्वर को याद करते हैं। उसके बाद जब किसी प्रकार की शारीरिक मानसिक या आर्थिक परेशानी आती है तो उन्हें लगता है कि ईश्वर ने उनका साथ नहीं दिया और परमात्मा पर उनका विश्वास कम होने लगता है। परंतु वे यह नहीं समझते की ईश्वर भौतिकता से परे होता है। उदाहरणार्थ यदि आपका पुत्र आपके लिए एक दिन भूखा रहे आपको कुछ मिठाइयां लाकर दे या आपको अपनी पॉकेट मनी से जो आप ही उसे देते हैं कुछ पैसे अर्पित करें और फिर यह इच्छा रखे कि आप उसे संसार के सभी सुख दे देंगे और उसे सही और गलत सब कुछ करने का अधिकार मिल जाएगा क्या संभव है? लेकिन यदि वह आपके पास समर्पित भाव से प्रेम से आकर कुछ मांगता है तो आप अवश्य पूरा करते हैं। परमपिता भी आपके पिता है आपको उनके पास जाने के लिए मात्र प्रेम की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार आपको किसी मंज़िल पर जाना है, परंतु उसका मार्ग पता नहीं है ऐसे में आप लोगों से पता पूछते हैं जो आपको अलग-अलग मार्ग दिखाते हैं कुछ रास्ते लंबे होते हैं तो कुछ ऊबड़-खाबड़ व अनेक मुश्किलों से भरे हुए ऐसे में आपको लगने लगता है कि मंज़िल ही गलत है। तभी कोई आपको मिलता है और वह सीधा रास्ता दिखाता है और आप कुछ ही समय में मंज़िल तक पहुंच जाते हैं और तब आप समझते हैं कि मंज़िल गलत नहीं थी, सिर्फ मार्गदर्शक और मार्ग गलत थे । सहज योग में श्री माताजी ने एक ऐसा ही रास्ता तैयार किया है जिस पर चलकर आप अत्यंत अल्प समय में परमात्मा के निकट पहुंच जाते हैं तथा पिता व पुत्र के बीच यह संबंध समर्पण तथा प्रेम पर आधारित होता है। श्री माताजी के अनुसार, आप परम पिता का अंश होने के कारण उनकी शक्ति के वाहक भी ह

शक्तियां परिवर्तन, बदलाव, सृष्टि की रखवाली के लिए आती हैं

(उ.प्र)आदि से अंत तक सब कुछ जानने वाले सर्वज्ञ, कर्मों की सजा से बचने का उपाय बताने वाले, सर्व समर्थ, सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने 26 नवम्बर 2023 दोपहर गोंडा (उ.प्र.) में दिए व अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि इस देश की यह परंपरा रही है, ज्यादातर सन्त यहीं पर हुए हैं। अवतारी शक्तियां तो और जगहों पर भी हुई हैं। अवतारी शक्ति किसको कहते हैं? जो नीचे के स्थान से आती हैं, परिवर्तन बदलाव करने के लिए, उसके बनाई हुए सृष्टि की रखवाली करने के लिए आते हैं। वह भी सृष्टि के रखवाले ही होते हैं कि यहां पर जीव रह जाए, नरकों में न जाने पावे। अभी यदि सभी जीवों को नरकों में भेज दिया जाए या दुनिया के सभी लोगों को जेल में बंद कर दिया जाए तो कौन खेती, दुकान, यह व्यवस्था संभालेगा? इसलिए इन सारी चीजों का रहना जरूरी है। काल भगवान ने समय-समय पर उनको भेजा कि सब जीव नर्कगामी न होने पाए, इनको रोको, उसी में उलझाए रहो ताकि कुछ मनुष्य शरीर में भी रहे, नहीं तो कैसे व्यवस्था चलेगी। अकल बुद्धि वाला केवल मनुष्य होता है। पांचों तत्व केवल मनुष्य शरीर में होते हैं। आकाश तत्व की कमी होने से बुद्धि सही से काम नहीं करती। पशु, मनुष्य के समान बच्चा पैदा करते हैं, इस तरह खाते, पीते, चलते हैं लेकिन उनमें बुद्धि नहीं होती तो जानवरों को हांकना, चराना पड़ता है, कुत्ते को सिखाना पड़ता है। मनुष्य में बुद्धि होती है, मनुष्य का रहना भी जरूरी था।

जब भी लोग धर्म को खत्म करने के लिए सोचे तब यह शक्तियां आई-अवतारी शक्तियां धर्म की स्थापना करने के लिए आई कि लोग धार्मिक भी रहे। जब अधर्म ज्यादा बढ़ता था, जब भी लोग धर्म को खत्म करने के लिए सोचे तब यह शक्तियां भेजी जाती थी। जो मनुष्य शरीर में आए हैं, उनकी बात छोड़ो, देवताओं की बात देख लो। देवता और असुर यह दो रहे। राक्षसों ने बहुत मेहनत किया। त्रिपुरासुर ने शिव की तपस्या किया था। एक पैर पर ही खड़ा रहा, उसने सर नीचे करके (शीर्षासन) तपस्या किया। लेकिन तपस्या से शिवजी जब खुश हुए तो वरदान मांग लिया। फिर देवताओं पर हमला करने, उन्हें सताने लगा गया। शिवजी वरदान देने की वजह से मजबूर थे। तब उसने सोचा कि हम त्रिलोक के मालिक बनेंगे। तब उसको खत्म करने की योजना विष्णु ने बनाई थी। धार्मिक, पौराणिक किताबों में आपको यह चीज मिलेगी। उसमें भी रहे हैं, उसके लिए भी व्यवस्था बनी है, व्यवस्था के अंतर्गत सब होता है।

शिवराज को बधाई देने कमलनाथ पहुंचे

भोपाल। मध्यप्रदेश में भाजपा की जीत के बाद आज पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ अपने सांसद पुत्र नकुलनाथ के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को बधाई देने उनके निवास पर पहुंचे। दोनों नेताओं ने काफी देर बात की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह काफी देर उनके साथ रहे।

मालवा-निमाड़ में भाजपा की जीत के शिल्पी कैलाश, अपनी सीट की चिंता भी नहीं की

भोपाल। मालवा के क्षत्रप कैलाश विजयवर्गीय ने इस बार भाजपा की जीत के लिये मालवा - निमाड़ में जमकर मेहनत की। अपनी नई सीट इंदौर एक पर भी उन्होंने उतना ध्यान नहीं दिय जितना ध्यान इंदौर, मालवा और निमाड़ के लिये दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि मालवा के शेर ने अपने साथ इंदौर मालवा अंचल में ऐतिहासिक विजय की कहानी लिख डाली। इसमे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रोड शो, गृहमंत्री अमित शाह की कुशल रणनीति और भाजपा अध्यक्ष जेपी नडडा की सांगठनिक क्षमता का रोल भी

महत्वपूर्ण रहा।मालवा क्षत्रप कैलाश विजयवर्गीय और उनकी भाजपाई टीम की मेहनत से भाजपा को मालवा निमाड़ में 48 विधानसभा सीटें मिली। जिस वजह से भाजपाई जीत का शिल्पी अगर कैलाश विजयवर्गीय को भी कहा जाये तो अतिश्योक्ति नहीं होनी चाहिये। जबकि 2018 के चुनाव में भाजपा को मालवा निमाड़ में मात्र 19 सीट मिली थी उसे इस बार 19 सीटों का फायदा हुआ हैं, जो प्रदेश के अन्य संभागों में सबसे ज्यादा है। मालवा निमाड़ में भाजपा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने अपनी नई सीट के साथ-साथ हर सीट पर जाकर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में सभायें व बैठकें की। इंदौर एक के कार्यकर्ता उनसे कहते भी थे कि आप यहां तो समय हो तो वह कहते थे कि मैं आपके भरोसे निश्चित हूं और अन्य क्षेत्रों के प्रत्याशी मेरे भरोसे है इसीलिये मुझे जाना पड़ेगा। कुल मिलाकर मप्र में भाजपा की ऐतिहासिक जीत में मालवा निमाड़ की जीत मायने रखती है और भाजपा आलाकमान भी यह बात ध्यान में रखे हैं।

नारायण सिंह को निवास पर पहुंच कर दी बधाई

ग्वालियर। विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की मध्यप्रदेश, राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ में शानदार विजय हासिल करने सहित ग्वालियर दक्षिण से भाजपा प्रत्याशी नारायण सिंह कुशवाह के विजयी होने पर भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जवाहर प्रजापति सहित अनेक कार्यकर्ताओं द्वारा सुबह उनके निवास पहुंच कर पुष्प माला पहनाकर बधाई दी।इस अवसर पर ग्वालियर दक्षिण के नवनिर्वाचित विधायक नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के बल पर मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को ऐतिहासिक विजय मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी की अगुवाई में भारत का वैश्विक स्तर पर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर पप्पू वर्मा, अलवेल सिंह घुरैया, पुत्तू प्रजापति, केशव मंसूरिया, गोपाल शर्मा, जीतू खरे सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बजरंग भक्त मंडल ने की 500 किलो हरे चारे की गौभोग सेवा

बजरंग भक्त मंडल द्वारा विगत चार वर्षों से मार्क हॉस्पिटल गौशाला गोला का मंदिर में प्रति सप्ताह की जाने वाली गौभोग सेवा के क्रम में आज मंडल के दानदाता एवं गौसेवको के सहयोग से 500 किलो हरे चारे की गौभोग सेवा की गई।आज की सेवा में 222 किलो हरे चारे की सेवा रुद्रांश गोयल द्वारा,111 किलो हरेचारे की सेवा गुप्त रूप से मुरैना वालो द्वारा,111 किलो हरे चारे की सेवा कौशल अग्रवाल द्वारा,88 किलो हरे चारे की सेवा गुप्तरूप से खासगी बाजार वालो द्वारा ,66 किलो हरे चारे की सेवा अनिल गुप्ता द्वारा, कुल 500 किलो हरे चारे की सेवा की गई।

बाबा बालकनाथ बनेंगे राजस्थान के योगी?

जयपुर। हरियाणा के रोहतक के अस्थल बोहर स्थित बाबा मस्तनाथ मठ के महंत बाबा बालकनाथ राजस्थान के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में बने हुए हैं। एक दिन पहले विधानसभा में जीत व अब मुख्यमंत्री बनने की संभावना के चलते मठ में उत्साह का माहौल है। कभी भी महंत बालकनाथ मठ में अपने गुरुओं से आशीर्वाद लेने आ सकते हैं। बताया जाता है कि महंत बालकनाथ के पिता किसान हैं। वे दो भाई हैं, महंत बालकनाथ ब? हैं। बचपन से ही उनको मंदिर व गुरुओं के पास जाने का शौक रहा है। छह साल की उम्र में महंत बालकनाथ अपने गुरु महंत चांदनाथ के पास आ गए थे। महंत चांदनाथ जब बीमार थे, उनकी देखभाल महंत बालकनाथ ने ही की थी। उनको आध्यात्मिक,

शैक्षणिक व सामाजिक जीवन में तालमेल बनाकर चलना होता है। हर रोज रात ढ़ाई बजे से मठ में आरती शुरू हो जाती है। रात को चाहे महंत बालकनाथ कितनी भी देरी से आए हो, लेकिन समय पर उठकर आरती करते हैं। महंत बालकनाथ साधु संतों से मिलने के साथ-साथ आम लोगों के बीच रहते हैं। महंत बालकनाथ अभी राजस्थान सरकार के गठन में व्यस्त हैं। मस्तनाथ मठ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से लेकर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत तक आ चुके हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो लगातार आते रहे हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, बाबा रामदेव, जूना अखाड़ के पीठाधीश्वर आचार्य अवधेशानंद संत समाज के लोग अक्तूबर माह में मठ में आए थे। यहां बता दें कि राजस्थान की तिजारा सीट से महंत बालकनाथ योगी ने जीत हासिल की है। अब वह मुख्यमंत्री बनने के प्रबल दावेदार बनकर उभरे है। अगर यह संभव हुआ तो यूपी की तरह ही एक योगी राजस्थान का भी मुख्यमंत्री बनकर विश्व पटल पर नाम रोशन करेगा।

जनता के बीच कनेक्शन और लाड़ली बहना फैक्टर कर गया काम, ऐसे मिली प्रद्युम्न सिंह तोमर को जीत

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के सिपाही भाजपा प्रत्याशी प्रद्युम्न सिंह तोमर हर राउंड में आगे रहे। पहले ही राउंड से उनकी चाल ऐसी बनी कि फिर पीछे ही मुड़कर नहीं देखा। ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र में पाश इलाका हो या निचले तबके का पिछड़े क्षेत्र रुझान भाजपा के पक्ष में ही मिलते रहे। पहले पांचवे और 12वें राउंड में कांग्रेस प्रत्याशी सुनील शर्मा ने प्रद्युम्न सिंह को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन पटखनी नहीं दे पाए।विधानसभा में अधोसरंचना आधारित विकास

से लेकर प्रद्युम्न का जनता के बीच कनेक्शन और सहज भाव का जनता को पसंद आया। वहीं ग्वालियर विधानसभा में गरीब-पिछड़ा तबका काफी है और यहां लाड़ली फैक्टर बहना भी काम कर गया। कांग्रेस प्रत्याशी को पिछली बार की तुलना में वोट भले ही ज्यादा मिले लेकिन भाजपा का किला नहीं ढ़हा पाए।

भाजपा को मिला ये फायदा-ग्वालियर विधानसभा में कांग्रेस से लेकर भाजपा के सफर में सक्रिय ऊर्जा मंत्री की जीत को लेकर कोई बड़ी बाधा सामने नहीं थीं। यहां कांग्रेस के टिकट वितरण को लेकर हुई टकराव की स्थिति का भी भाजपा को फायदा मिला। कांग्रेस से जिन लोगों को टिकट नहीं मिला, वहां से भितरघात हुई। उधर ग्वालियर विधानसभा में ब्राह्मण फैक्टर के कारण सुनील को बड़ी मजबूती के कयास भी थे लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

कृषि विश्वविद्यालय में विश्व मृदा दिवस मनेगा, रंगोली-पोस्टर प्रतियोगितायें हुई

ग्वालियर। कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर में नाहेप परियोजना अंतर्गत विश्व मृदा दिवस 5 दिसंबर को मनाया जा रहा है।

इसके साथ ही कृषि शिक्षा दिवस जो कि 3 दिसंबर को मनाया जाता है। मतगणना को दृष्टिगत रखते हुए उसे भी 5 दिसंबर को मनाया जायेगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार पांडे तथा विशिष्ट अतिथि ग्वालियर जिलाधीश अक्षय कुमार सिंह रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार शुक्ला करेंगे। मृदा स्वास्थ्य हेतु चलित जागरूकता अभियान कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 250 विद्यार्थी, कृषि महाविद्यालय ग्वालियर के विद्यार्थी, कृषि विज्ञान व अनुसंधान केन्द्रों के वैज्ञानिक तथा विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी शोभा यात्रा में भाग लेगें।विश्वविद्यालय में विश्व मृदा दिवस के उपलक्ष्य में 4 दिसंबर को विभिन्न प्रतियोगिताओं रंगोली, पोस्टर, क्विज, स्लोगन, निबंध, एक्सटेम्पोर आदि का आयोजन किया गया। जिसकी थीम ''मृदा एवं जलः जीवन के स्त्रोत हैं'' रही। विद्यार्थियों द्वारा सतत् कृषि के लिए मृदा स्वास्थ्य और जल संरक्षण, मिट्टी में जीवन, गुणों की खान-मिट्टी है महान आदि विषयों पर प्रतियोगिताओं में भाग लिया गया। सभी प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को आज पुरूस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा।

भाजपा की प्रचंड विजय पर सत्येन्द्र शर्मा ने मिष्ठान वितरण किया

ग्वालियर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी की मध्य प्रदेश में ऐतिहासिक विजय एवं राजस्थान, छत्तीसगढ़ में प्रचंड विजय एवं जिला ग्वालियर 15 से प्रद्युम्न सिंह तोमर, ग्वालियर भितरवार से मोहन सिंह राठौड़, दक्षिण से नारायण सिंह कुशवाह भाजपा के प्रत्याशियों की विजय के उपलक्ष में भाजपा के जिला मंत्री सत्येन्द्र शर्मा, मिनेश शर्मा, रजत सविता, मुकेश अग्रवाल, कुलदीप सिंह, संदीप सविता, हरिशंकर अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, नितेश बंसल, सचिन स्यामाल, मनोज शर्मा, आमिर खान आदि ने बहोड़ापुर पर मिष्ठान वितरण किया।

दिव्य धाम आश्रम में गुरु भक्तों को आत्मिक पोषण प्रदान किया

साधकों को अध्यात्मिक पथ पर अग्रसर करने व उनकी आध्यात्मिक यात्रा को गति प्रदान करने हेतु दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान (डीजेजेएस) द्वारा दिव्य धाम आश्रम, दिल्ली में एक और मासिक आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज की तेज रफ्तार भरी ?िंदगी में, जहाँ हर व्यक्ति अपनी आजीविका कमाने व सांसारिक कर्तव्यों को पूर्ण करने में व्यस्त है, यह अत्यंत आवश्यक है कि अपनी आत्मा को पोषित करने हेतु हम आध्यात्मिक कार्यक्रमों के लिए कुछ समय अवश्य निकालें। भावपूर्ण भजनों ने वातावरण में शांति का संचार कर उपस्थित श्रोताओं को आध्यात्मिक संदेशों को ग्रहण करने के लिये तैयार किया। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी (संस्थापक एवं संचालक, डीजेजेएस) के प्रचारक शिष्यों ने साधकों को भक्ति पथ पर अग्रसर करने हेतु कुछ सरल दैनिक क्रियाएं बताई जिनके द्वारा वह सांसारिक कर्तव्यों को निभाते हुए ईश्वर की शाश्वत भक्ति से जु? रह सकते हैं। उन्होंने समझाया कि जैसे हम आजीविका कमाने, घर-संसार व रिश्तों को बनाए रखने के लिए प्रयासरत रहते हैं, उसी प्रकार यह अनिवार्य है कि भक्ति पथ पर आगे ब?ते हुए गुरु आज्ञाओं- जैसे कि सेवा, ध्यान-साधना, सत्संग इत्यादि आध्यात्मिक स्तंभों के प्रति भी हम प्रयासरत रहें। साधकों ने उत्साहपूर्वक व दृ? संकल्पित हो आध्यात्मिक पथ पर ब?ते रहने का शिव-संकल्प लिया और सामूहिक साधना व सामुदायिक भोजन सहित कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478